केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 41 सोमवार 2 सितम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

दुकानदार की करंट की चपेट में आने से मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

विक्रमजोत (बस्ती)। जिले के परसरामपुर थानाक्षेत्र के सिकंदरपुर में एक दुकानदार तार जोड़ते वक्त करंट की चपेट में आ गया। गंभीर हालत में उसे परिजन आनन–फानन में श्रीराम चिकित्सालय अयोध्या ले गए। यहां पहुंचने पर चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। कमाऊ पूत की मौत से पूरा परिवार गहरे सदमे में है। सिकंदरपुर निवासी सोनू निषाद (22) पुत्र रामसनेही घर के अगले हिस्से में किराने की दुकान चलाता था। उसके पिता रामसनेही कैटरिंग का कार्य करते हैं। बताया जा रहा है कि शुक्रवार की रात वह भोजन करने के बाद घर में सो रहा था, रात में लाइट चली गई। देर रात करीब सवा 12 बजे वह पानी पीने के लिए उठा तो स्टैंड वाला पंखा नहीं चल रहा था। यह देख वह उसका तार फिर से जोड़ने लगा। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गया। तेज झटका लगने से वह बेसुध हो गया। परिजन उसे तत्काल श्रीराम चिकित्सालय अयोध्या ले गए, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। किराने की दुकान चलाकर सोनू परिवार की जिम्मेदारी में हाथ बंटा रहा था। उसकी मौत से माता–पिता, दो छोटे भाई और सबसे छोटी बहन का रो–रोकर बुरा हाल था।

पिटाई से विवाहिता का गर्भपात, मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दुबौलिया पुलिस ने दहेज के प्रताड़ित करने व मारपीट करने से विवाहिता का गर्भपात होने के मामले में पति समेत नौ ससुरालियों पर केस दर्ज किया है। पूजा पांडेय ने तहरीर में बताया है कि उनका विवाह हेंगापुर निवासी दीपक पांडेय के साथ हुआ है। आरोप है कि ससुराल में दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया। मारपीट करने के कारण तीन माह का गर्भ खराब हो गया। ससुरालियों ने उनके पिता ने दहेज की मांग की। पुलिस ने पति के अलावा ससुर द्वारिका प्रसाद समेत नौ ससुरालियों पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

बेटे की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर थानाक्षेत्र के कोठवाभरतपुर में रास्ते के किनारे झाड़ियों में गांव के एक व्यक्ति का शव मिलने के मामले में पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। गले पर चोट के निशान दिखने के बाद अनहोनी की आशंका जताई जा रही थी। मृतक संतोष के बेटे की तहरीर पर पुलिस ने दो लोगों पर हत्या का केस दर्ज कर लिया है। थानाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह का कहना है कि पीएम रिपोर्ट का विस्तृत अध्ययन किया जा रहा है। साथ ही दोनों आरोपितों की धरपकड़ के लिए पुलिस टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। नगर क्षेत्र कोठवा भरतपुर निवासी संतोष चौहान (42) पुत्र बमभोले राजगीर का काम करता था। परिजनों के अनुसार संतोष गुरुवार को खलीलाबाद काम करने गया था। वह शाम को घर लौटा। उसे दो लोग गुरुवार शाम को बुलाकर ले गए। उसके बाद से वह रात में नहीं लौटा। संतोष का शव शुक्रवार को सुबह गांव के रास्ते के बगल झाड़ियों में मिला था। फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर पड़ताल की थी। एसपी गोपालकृष्ण चौधरी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर छानबीन की थी। मृतक के बेटे संतोष का आरोप है कि 29 अगस्त की शाम दो लोग घर आए और पिता संतोष पर मोबाइल और पैसा लेने का आरोप लगाते हुए उन्हें लेकर चले गए थे। अगले दिन पिता का शव मिला था। पुलिस ने इसी गांव के चन्दू और राकेश के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ की जमीन बेचेगी योगी सरकार

लखनऊ (आभा)। पाकिस्तान के पूर्व सेनाध्यक्ष और राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ और उनके भाईयों के नाम पर भारत में करीब 13 बीघा जमीन है, जिसे उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार बेचने जा रही है। इसके लिए बोली लगाई जाएगी। भारत सरकार के आदेश पर योगी सरकार शत्रु संपत्ति नियम के तहत यह कार्रवाई कर रही है। आपको बता दें कि मुशर्रफ की यह जमीन बागपत जिले में है। 5 सितंबर तक इसकी निलामी प्रक्रिया चलेगी।

बता दें कि विभाजन से पहले मुशर्रफ का परिवार बागपत जिले के कोताना गांव में रहता था। उनके पिता मुशर्रफुद्दीन और माता बेगम जरीन दोनों ही इसी गांव की रहने वाली थीं। यह परिवार आजादी से पहले 1943 में दिल्ली जाकर रहने लगा। गांव में उनकी एक हवेली थी, जो कि अब खंडहर में तब्दील हो चुकी है।

भारत का बंटवारा होने के बाद यह परिवार पाकिस्तान चला गया। बाद में भारत सरकार द्वारा बनाए गए नियम के मुताबिक, इसे शत्रु संपत्ति घोषित कर दी गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मुशर्रफ परिवार की कुछ जमीन पहले भी बेची जा चुकी है। उनके भाई के नाम पर भी यहां संपत्ति थी। करीब 15 साल पहले इसे शत्रु संपत्ति घोषित की गई थी।

मुशर्रफ परिवार की कुछ संपत्ति खादर तो कुछ बांगर के रिकॉर्ड में दर्ज है। शत्रु संपत्ति अभिरक्षक कार्यालय ने फिलहाल बांगर की संपत्ति की नीलामी की प्रक्रिया शुरू कराई है। यह 5 सितंबर तक चलेगी। यह पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। मुशर्रफ परिवार की इस संपत्ति की बोली 37.5 लाख रुपये से शुरू होगी। जिसके द्वारा सर्वाधिक बोली लगाई जाएगी उसके नाम यह जमीन कर दी जाएगी।

जद यू राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने पद से इस्तीफा दिया

पटना (आभा)। बिहार में बड़ी सियासी हलचल हुई है। राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। लेकिन बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। पार्टी की तरफ से प्रेस रिलीज जारी कर अभी यह कहा गया है कि केसी त्यागी ने निजी कारणों की वजह से पार्टी के प्रवक्ता पद से इस्तीफा दिया है। जदयू ने केसी त्यागी के इस्तीफे के बाद नए राष्ट्रीय प्रवक्ता का ऐलान भी कर दिया है। केसी त्यागी की जगह अब राजीव रंजन प्रसाद को जदयू का राष्ट्रीय प्रवक्ता घोषित किया गया है।

यूपी पुलिस में बड़ा फेरबदल, 25 जिलों में एएसपी समेत 37 पीपीएस अफसरों का तबादला

लखनऊ (आभा)। यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा खत्म होते ही योगी सरकार ने यूपी पुलिस में बड़ा फेरबदल किया है। योगी सरकार ने 37 पीपीएस अफसरों के तबादले किए हैं। इनमें 25 जिलों में अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर तैनात रहे अफसर भी शामिल हैं। पुलिस विभाग में हुए इतने बड़े तबादले से अफसरों में खलबली मची है। जिन पुलिस अफसरों का तबादला किया गया है उनमें एएसपी देवरिया भीमकुमार गौतम को अपर पुलिस अधीक्षक एटीएस लखनऊ, एएसपी गोरखपुर रहे सुनील कुमार सिंह को देवरिया अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी), अपर पुलिस आयुक्त प्रयागराज रहे श्वेताभ पांडेय को अपर पुलिस अधीक्षक लखनऊ साइबर क्राइम मुख्यालय, औरैया एएसपी रहे दिगम्बर कुशवाहा को फतेहपुर 12वीं वाहिनी पीएसी का उपसेनानायक बनाया है।

इसी तरह एएसपी बदायूं आलोक मिश्रा को अपर पुलिस अधीक्षक औरैया, बांदा एएसपी लक्ष्मी निवास मिश्र को अपर पुलिस अधीक्षक भानिसं मुख्यालय लखनऊ, बरेली एएसपी ट्रैफिक शिवराज को अपर पुलिस अधीक्षक बांदा, अलीगढ़ एएसपी रहे मोहम्मद अकमल खान को बरेली अपर पुलिस अधीक्षक ट्रैफिक, श्रावस्ती एएसपी रहे अतुल कुमार चौबे को मुजफ्फरनगर अपर पुलिस अधीक्षक ट्रैफिक, मुजफफरनगर एएसपी ट्रैफिक रहे कुलदीप सिंह को प्रयागराज कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त बनाया है।

रायबरेली एएसपी रहे नवीन कुमार सिंह को लखनऊ में अपर पुलिस उपायुक्त, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशिक्षण निदेशालय रहे संजीव कुमार सिन्हा को रायबरेली का एएसपी, वाराणसी कमिश्नरेट में अपर पुलिस आयुक्त रहे वीरेंद्र कुमार को पुलिस महानिदेशक कंट्रोल रूम में अपर पुलिस अधीक्षक, बलरामपुर एएसपी रहे प्रमोद कुमार सिंह यादव को सीतापुर एटीसी में अपर पुलिस अधीक्षक, बुलंदशहर एएसपी रहे डॉ. अनूप सिंह को मुरादाबाद में 24वीं वाहिनी पीएसी में उपसेनानायक, कौशांबी एएसपी रहे अशोक कुमार वर्मा को गोरखपुर में पीएसी की 26वीं वाहिनी में उपसेना नायक बनाय गया है।

ऐसे ही फिरोजाबाद के एएसपी रहे राजेश कुमार सिंह को कौशांबी में अपर पुलिस अधीक्षक, महोबा एएसपी रहे सत्यम को अलीगढ़ में 45वीं वाहिनी पीएसी में उपसेनानायक, रायबरेली एएसपी रहीं श्रीमती वंदना सिंह को महोबा में अपर पुलिस अधीक्षक, लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त रहे अशोक कुमार को आजमगढ़ 20वीं वाहिनी पीएसी में उपसेनानायक, सीतापुर एएसपी रहे राजेश कुमार यादव को लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त, अयोध्या एएसपी रहीं डॉ. अर्चना सिंह को लखनऊ पीएसी मुख्यालय में अपर पुलिस अधीक्षक, एटा एएसपी रहे धनन्जय सिंह कुशवाहा को लखनऊ कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त, लखनऊ में अपर पुलिस उपायुक्त रहे कृपा शंकर को बलिया का अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी), वाराणसी में अपर पुलिस उपायुक्त रहे राजकुमार सिंह को एटा का अपर पुलिस अधीक्षक, मिर्जापुर एएसपी रहे मनोज कुमार गुप्ता को हमीरपुर का अपर पुलिस अधीक्षक, फिरोजाबाद एएसपी रहे हिमांशु गौरव को आगरा कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त, वाराणसी में एएसपी एसीओ जोन रहे प्रभात कुमार को बरेली का अपर पुलिस अधीक्षक क्षेत्रीय अभिसूचना, गाजियाबाद कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त रहे नरेश कुमार को बुलंदशहर का अपर पुलिस अधीक्षक, सहारनपुर के एएसपी रहे विजय आनंद को सोनभ्रद में 48वीं वाहिनी पीएसी में उपसेना नायक, नोएडा कमिश्नरेट के अपर पुलिस उपायुक्त रहे सुशील कुमार गंगा प्रसाद को वाराणसी कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त, सीतापुर एएसपी रहे अरुण कुमार को अयोध्या में अपर पुलिस अधीक्षक क्षेत्रीय अभिसूचना, लखनऊ यूपी पीसीएल में एएसपी रहीं श्रीमती रुकमिण वर्मा को लखनऊ में वीमेन पावर लाइन (1090) में अपर पुलिस अधीक्षक, नोएडा में 49वीं पीएसी के उपसेनानायक रहीं श्रीमती ममता कुरील को अलीगढ़ में अपर पुलिस अधीक्षक, अयोध्या में एएसपी रहे डॉ. राजेश तिवारी को कानपुर में अपर पुलिस अधीक्षक केस्को, हमीरपुर एएसपी रहे मायाराम को सुलतानपुर में अपर पुलिस अधीक्षक पीटीएस और लखनऊ पुलिस महानिदेशक मुख्यालय में प्रतीक्षारत राजकुमार को लखनऊ पुलिस मुख्यालय में नया अपर पुलिस अधीक्षक बनाया गया है।

बिजली संबंधित सभी कार्यों की होगी थर्ड पार्टी जांच

लखनऊ (आभा)। प्रदेश में बिजली वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए चल रहे सभी कार्यों में उपयोग में लाई जा रही सामग्री तथा कार्यों की गुणवत्ता की जांच के आदेश उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन प्रबंधन ने दिए हैं। विभागीय जांच के साथ ही इन सभी कार्यों की थर्ड पार्टी जांच भी होगी। मुरादाबाद जिले के बिलारी में एरियल बंच केबिल के बार–बार खराब होकर टूटने की घटना के बाद से प्रबंधन ने चल रहे कार्यों की मानीटरिंग तेज करा दी है।

मुरादाबाद के बिलारी में एबीसी केबिल के बार–बार टूटने और गिरने के मामले में केबिल की लैब टेस्टिंग में यह बात सामने आई कि केबिल तय मानक से कम गुणवत्ता की है। गाजियाबाद, नोएडा और बड़ोदरा की लैब में केबिल की जांच कराई गई सभी जगह से यह रिपोर्ट मिली कि केबिल की गुणवत्ता (अधोमानक) ठीक नहीं है। जांच में केबिल का कंडक्टर रेजिस्टेंस, इंसुलेशन थिकनेस, हाट सैट टेस्ट, एल्युमिनियम वजन आदि मानक के मुताबिक नहीं पाए गए। जिसके बाद केबिल की सप्लाई करने वाली हरिद्वार की कंपनी को आठ अगस्त और 17 अगस्त की तिथि में दो नोटिस भेजा गया है। केबिल की खराब गुणवत्ता के मामले में फर्म के खिलाफ कठोर कार्यवाही किए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पावर कारपोरेशन के उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया है कि गुणवत्ता से कोई समझौता न हो इसके लिए सभी कार्यों की जांच के यह आदेश दिए गए हैं। जिस काम में भी सामग्री व कार्य की गुणवत्ता में खामियां मिलेंगी वहां संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस समय केंद्र सरकार की रिवैम्पड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम तथा पावर कारपोरेशन के बिजनेस प्लान के तहत समूचे प्रदेश में करीब 20 हजार करोड़ रुपये के काम चल रहे हैं। वितरण से जुड़े केबिल को बदलने, नया ट्रांसफार्मर लगाने व ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि किए जाने के साथ ही अन्य कई जरूरी कार्य किए जा रहे हैं।

यूपीपीसीएल चेयरमैन डॉ. आशीष कुमार गोयल ने बताया कि प्रदेश में जहां भी बिजली से संबंधित कार्य चल रहे हैं, उन कार्यों में उपयोग में लाई जा रही सामग्री और कार्य की गुणवत्ता की जांच कराने के आदेश दिए गए हैं। थर्ड पार्टी से भी जांच कराने को कहा गया है। जहां भी खामियां मिलेंगी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति गिरने को लेकर गरमाई राजनीतिः निकली रैली

मुम्बई (आभा)। महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति गिरने को लेकर राजनीति तेज होती जा रही है। रविवार को मूर्ति ढहने के विरोध में मुंबई में एक विशाल रैली का नेतृत्व करते हुए उद्धव ठाकरे पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि पीएम ने जो माफी मांगी है उसमें अहंकार की भावना ज्यादा नजर आ रही थी। विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी के नेताओं ने मुंबई में इस विशाल रैली का नेतृत्व किया। यह रैली प्रतिष्ठित हुतात्मा चौक से शुरू होकर गेटवे ऑफ इंडिया पर जाकर समाप्त हुई।

पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने जनता से पूछा कि क्या आपने माफी में अहंकार देखा? इसमें अहंकार की बू आ रही थी, जब वह माफी मांग रहे थे तो पास में ही एक उपमुख्यमंत्री मुस्कुरा रहे थे। ठाकरे ने कहा कि ऐसी गलती को माफ नहीं किया जा सकता। हम सभी यहां भाजपा को भारत से बाहर करो कि मांग करने के लिए एकत्र हुए हैं। भाजपा ने छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान किया है उन्होंने महाराष्ट्र की आत्मा का अपमान किया है उन्हें इसके लिए सजा मिलनी ही चाहिए। उद्धव ने कहा कि मुझे समझ नहीं आया कि पीएम किस बात के लिए माफी मांग रहे थे, उन्होंने इस मूर्ति का अनावरण आठ महीने पहले किया था, इतनी जल्दी मूर्ति का गिर जाना यह दिखाता है कि इसमें भ्रष्टाचार किया गया था। क्या वह भ्रष्टाचार के लिए माफी मांग रहे थे?

ठाकरे ने अयोध्या के मंदिर को भी बीच में लाते हुए कहा कि भाजपा कि सरकार ने जो कुछ भी बनवाया है उसमें ही गड़बड हुई है, अयोध्या का राम मंदिर पहली बरसात में ही टपकने लगा, यह दिखाता है कि किस हद भ्रष्टाचार हुआ है। "जोडेध मारो आंदोलन" के नाम से शुरू की गई इस रैली में उद्धव ने लोगों से अपील की सीएम एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस और अजीत पवार के पोस्टर को जूते मारने में हमारा साथ दें।

इस रैली के दौरान एनसीपी के नेता शरद पवार ने कहा कि छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा का ढहना भाजपा द्वारा किए जा रहे भारी भ्रष्टाचार का एक उदाहरण है। यह सभी शिवाजी के अनुयायियों और पूरे महाराष्ट्र का अपमान है।

दरअसल, सिंधुदुर्ग के राजकोट जिले में मराठा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति 26 अगस्त को ढह गई थी। इस मूर्ति का अनावरण पिछले साल पीएम मोदी ने 4 दिसंबर को किया था। मूर्ति कि ढ़हने के बाद पहले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने खुले तौर पर माफी मांगी फिर उसके बाद शुक्रवार को महाराष्ट्र पहुंचे पीएम मोदी ने भी मंच से माफी मांगते हुए कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज सिर्फ एक नाम या राजा नहीं हैं। वह हमारे लिए देवता हैं। आज मैं उनके चरणों में सिर झुकाता हूं और अपने देवता से माफी मांगता हूं।

शहीदों के परिजनों के साथ विधायक ने किया 21 स्मृति द्वारों का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया विधानसभा के अंतर्गत 1 करोड़ 90 लाख की लागत से बने 21 स्मृति द्वारों का उद्घाटन रविवार को किया गया। हरैया विधायक अजय सिंह ने संबंधित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिजनों को सम्मानित करके और उनके साथ स्मृति द्वारों का उद्घाटन किया। जिसमें राजजश लाल स्मृति द्वार, रामबली अचारी स्मृति द्वार, रनबहादुर सिंह स्मृति द्वार, राम दवन सिंह स्मृति द्वार, दयाशंकर मिश्र स्मृति द्वार, माताप्रसाद एवं रामबरन स्मिथ द्वार, रामानंद शुक्ल स्मृति द्वार, रामशंकर सिंह स्मृति द्वार, रामरत्न पाठक एवं रामबली पाण्डेय स्मृति द्वार, अंबिका दत्त सिंह स्मृति द्वार, अंबिका दत्त पाण्डेय स्मृति द्वार, मोती सिंह काशी सिंह स्मृति द्वार, जगदीश सिंह स्मृति द्वार, महाराजा सुहेलदेव राजभर स्मृति द्वार, लाल बहादुर शास्त्री स्मृति द्वार, चंद्रगुप्त मौर्य स्मृति द्वार, महाराजा पृथ्वीराज चौहान स्मृति द्वार, स्वामी विवेकानंद स्मृति द्वार, पंडित ईश्वरी प्रसाद शुक्ल स्मृति द्वार, महाराज जालिम सिंह स्मृति द्वार, मंगल पाण्डेय स्मृति द्वार सहित कुल 21 स्मृति द्वारों का उद्घाटन किया गया। विधायक अजय सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्रियजनों के लिए जो बलिदान दिया, उसके बारे में कोई सोच भी नहीं सकता। देश की आजादी के लिए उन्होंने जो दर्द, कष्ट और विपरीत परिस्थितियाँ झेलीं, उन्हें शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उनके बाद की पीढ़ियाँ उनके निस्वार्थ बलिदान और कड़ी मेहनत के लिए हमेशा उनकी ऋणी रहेंगी ।

–देश अमर शहीदों के बलिदान के लिए हमेशा ऋणी रहेगा – अजय सिंह

स्मृति द्वारों के उद्घाटन के अवसर पर अर्जुन सिंह, राजू मौर्य, विनोद गुप्ता, रमाकांत पाण्डेय, सूबेदार पाण्डेय, विशालकान्त पाण्डेय, विकासकान्त पाण्डेय, विवेक कान्त पाण्डेय, राज पाण्डेय, सोहरा देवी, शिवकुमार तिवारी, चंद्रमणि पाण्डेय सुदामा, राम सहाय सोनकर, विवेक सिंह, पंकज सिंह, आनन्द समाजसेवी, अखिलेश सिंह, मुन्ना सिंह, जग्गू सिंह, रामपाल यादव, भरत सिंह, लवकुश वर्मा, शिखर सिंह, अंकित वर्मा, अनुराग सिंह, राकेश सिंह, राहुल, सौरभ सिंह, प्रियांशु सिंह, अजीत विश्वकर्मा, रवि, आयुष गुप्ता, रंजन सिंह, सुभाष, चंद्रशेखर मास्टर, जोखू प्रसाद, राम जनक प्रधान, शिवप्रसाद, सुनील कुमार, सुरेंद्र शुक्ल, नागेंद्र शुक्ल, बृज किशोर शुक्ल, नितीश शुक्ल, अशोक कुमार शुक्ल, अनिल कुमार शुक्ल, अरुण शुक्ल, चिंतामणि शुक्ल, दीप नारायण शुक्ल, अजय कुमार शुक्ल सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

ब्रम्हलीन महंत अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि पर आयोजन 12 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को विश्व हिन्दू महासंघ की एक आवश्यक बैठक जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सुलक्ष्मी टावर पर सम्पन्न हुआ। बैठक में राष्ट्र संत ब्रम्हलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के पुण्यतिथि के निमित्त आयोजित कार्यक्रमों की रूप रेखा पर विचार किया गया। निर्णय लिया गया कि आगामी 12 सितम्बर गुरूवार को प्रेस क्लब सभागार में राष्ट्र संत अवेद्यनाथ जी महाराज जी की पुण्यतिथि पर संगोष्ठी के साथ ही अनेक कार्यक्रम किये जायेंगे।

बैठक में गोरखनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी योगी रामेन्द्रनाथ, ने कहा कि ब्रह्मलीन महन्थ अवेद्यनाथ जी ने हिन्दू धर्म की आध्यात्मिक साधना के साथ 'सामाजिक हिन्दू' साधना को भी आगे बढाया और सामाजिक जनजागरण को अधिक महत्वपूर्ण मानकर हिन्दू धर्म के सोशल इंजीनियरिग पर बल दिया । वर्तमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के हिन्दू युवा वाहिनी जैसे युवा संगठन की प्रेरणा भी कहीं न कहीं इसी सोसल इंजीनियरिग की प्रेरणा रही थी । उन्होने हिन्दुत्व, गोवंश की रक्षा के लिये आखिरी सांस तक संघर्ष किया। 12 सितम्बर 2014 को महन्थ अवेद्यनाथ ब्रम्हलीन हो गये। उनके सपनों, संकल्पों को पूरा करने का दायित्व हम सबका है।

बैठक में मुख्य रूप से सौरभ तिवारी, राजकुमार उर्फ मंटू चौधरी, राकेश सिंह, विंद गोपाल त्रिपाठी, विष्णु प्रताप सिंह, आशीष उर्फ कल्लू बाबा, चंद्रमणि पाठक सानू,विपिन सिंह, भोला जायसवाल, अंकित सिंह, सतीश पाण्डेय 'पप्पू, मोहन्टी गुप्ता, किशन गुप्ता, जग नारायण सिंह, पिंटू सिंह, सुभाष सिंह, कप्तान सिंह, रामकिशन, रामविलास, ओम सिंह, राजेश कसौधन, धनुर्धारी चौबे गायक, अनुज शुक्ला,महेंद्र सिंह, मनोज कुमार शुक्ला,आकाश सिंह आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 2 सितम्बर 2024 सोमवार

सम्पादकीय

युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति

भारत के युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति न केवल सामाजिक चिंता का विषय, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा कर रही है। प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कराने का केंद्र माने जाने वाले कुछ शहरों से अक्सर विद्यार्थियों के आत्महत्या करने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। यह समस्या अब एक व्यापक चिंता का रूप ले चुकी है। इसके अलावा, दसवीं या बारहवीं की परीक्षा में भी फेल होने या नंबर कम आने के तनाव में कई विद्यार्थियों के खुदकुशी कर लेने की खबरें हर वर्ष आ जाती हैं। चिंता की बात यह है कि अब ये कुछ घटनाएं मात्र न रह कर एक व्यापक समस्या की शक्ल लेती जा रही हैं। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि छात्र–छात्राओं की आत्महत्या की दर कुल आत्महत्या की दर से तो ज्यादा है ही, लेकिन अब यह जनसंख्या में इजाफे की दर को भी पार कर गई है।

गौरतलब है कि आइसी–3 सम्मेलन में बुधवार को राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों के आधार पर 'छात्र आत्महत्या – भारत में फैलती महामारी' शीर्षक से जारी रपट में यह बताया गया है कि आत्महत्या की कुल घटनाओं में प्रति वर्ष जहां दो फीसद की बढ़ोतरी हुई है, वहीं विद्यार्थियों के बीच जान दे देने की मामलों में चार फीसद यानी राष्ट्रीय औसत से दोगुनी की वृद्धि हुई है। यह स्थिति तब है, जब इस बात की संभावना है कि विद्यार्थियों के आत्महत्या के मामलों में 'कम रिपोर्टिंग' हुई हो।

अगर विद्यार्थियों के बीच आत्महत्या की बढ़ती यह प्रवृत्ति खुदकुशी की कुल घटनाओं के मुकाबले और यहां तक कि आबादी में बढ़ोतरी की रफ्तार से भी तेज है तो यह सोचने की जरूरत है कि देश में शिक्षा का यह कैसा स्वरूप बन गया है, जिसमें पढ़ाई–लिखाई करने की उम्र में बच्चे जीवन से हार मान रहे हैं। स्कूल या उच्च शिक्षा का वह कैसा पाठ्यक्रम है जो बच्चों के भीतर हौसले और जीवट को मजबूत करने के बजाय उन्हें भावनात्मक स्तर पर बेहद कमजोर बना देता है।

गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक बहिष्कार, भेदभाव, और परिवार में तनाव भी आत्महत्या के लिए जोखिम का कारक बन सकते हैं। युवाओं के बीच इंटरनेट के उपयोग में होने वाली उल्लेखनीय वृद्धि भी आत्महत्या में प्रमुख भूमिका अदा करती है। इसके कुछ अन्य कारकों में साइबरबुलिंग, लैंगिक उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और सामाजिक मूल्यों में गिरावट भी शामिल हो सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं आत्महत्या का एक बड़ा कारण हैं। भारत में लगभग 54 फीसद आत्महत्याएं मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के कारण होती हैं। पढ़ाई के दबाव यानी शैक्षणिक तनाव से होने वाली आत्महत्याओं के मामले लगभग 23 फीसद पाए गए हैं। इसी प्रकार भारत में होने वाली आत्महत्याओं में सामाजिक तथा जीवन शैली कारकों का लगभग 20 फीसद और हिंसा का 22 फीसद योगदान रहता है।

युवाओं का जीवन अमूल्य है और उनके पास इस दुनिया को देने के लिए बहुत कुछ है। इसलिए चाहे परिस्थितियां कितनी भी मुश्किल क्यों न हों, उन्हें उम्मीद की किरण कभी नहीं छोड़नी चाहिए और समस्याओं से हार न मानकर बेहतर भविष्य के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। आत्महत्या कभी भी किसी समस्या का समाधान नहीं है। आज हमारे देश के युवाओं में आत्महत्या करने की प्रवृत्ति एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। जागरूकता, रोकथाम रणनीति और सामाजिक प्रयासों द्वारा मिलकर हम इस समस्या का समाधान कर सकते हैं और युवाओं को बेहतर जीवन जीने के अवसर प्रदान कर सकते हैं।

वहीं समाज और अभिभावकों की महत्त्वाकांक्षाओं और अपेक्षाओं का वह कैसा बोझ है, जिसके नीचे दब कर बच्चे दम तोड़ रहे हैं। निश्चित रूप से यह शिक्षा के समूचे ढांचे और सामाजिक सोच की एक ऐसी त्रासदी है, जिस पर बिना देरी किए गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। यह स्थिति एक ओर राष्ट्रीय स्तर पर नीतिगत दूरदर्शिता पर एक सवाल है, वहीं यह सामाजिक स्तर पर शिक्षा में कामयाबी को लेकर भ्रमित धारणा का भी संकेत है।

कंगना रनौत की बयानबाजी, भाजपा, और संघ

—अभिनव आकाश—

इस शेर से निकलती फिलॉस्फी को पूर्व मंत्री स्मृति ईरानी समझ गई हैं। लेकिन वो स्मृति ईरानी जिसे कांग्रेस और बाकी विपक्ष के नेता ट्रोल मिनिस्ट्री चलाने वाली मंत्री तक कह दिया करते थे। उन्हीं स्मृति ईरानी का बदला स्टैंड दिखाए देने लगा है। लोग तो मजाक तक में ये भी कहने लग गए हैं कि राहुल गांधी की फैन लिस्ट में नया नाम जुड़ गया है। ये सबक लगता है स्मृति ईरानी ने ले लिया है। लेकिन उनकी ही जूनियर नेता और मंडी लोकसभा सीट से बीजेपी की सांसद कंगना रनौत शायद ये अभी नहीं समझ पाई हैं। हाल ये है कि एक के बाद एक इंटरव्यू में कंगना रनौत अपनी अधूरी तैयारी, व्हाट्सअप यूनिवर्सिटी के ज्ञान का परचम बढ़ा रहे हैं। जातीय जनगणना पर उन्होंने अब ऐसा बयान दे दिया, जिससे लगने लगा कि संसद में जिन्हें आप पहुंचा रहे हैं जरूरी नहीं है कि यहां के देश–समाज के बदलते ताने बाने को भी समझते हो। भारतीय राजनीति में इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाले उस टॉपिक की जिस पर संसद की स्टैंडिंग कमेटी से लेकर नेता से अभिनेता बनी कंगना रनौत तक खुलकर अपने विचार रख रही हैं। ये टॉपिक जाति जनगणना का है। लोकसभा चुनाव में काफी ज्यादा चर्चा में रहना वाला जाति जनगणना का मुद्दा आज दो कारणों से चर्चा में है। एनडीए की सहयोगी जेडीयू की तरफ से ओबीसी कल्याण पर संसदीय समिति की बैठक में जातिगत जनगणना कराने की मांग की और ओबीसी के लिए क्रीमी लेयर की सीमा को मौजूदा सीमा से बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने का प्रस्ताव रखा। वहीं बीजेपी सांसद कंगना रनौत का ताजा बयान सामने आया है। कंगना ने कहा कि देश में जातिय जनगणना नहीं होनी चाहिए।

किसानों पर बयान देकर विपक्ष के निशाने पर आई कंगना ने तो जैसे बीजेपी के सब्र का इम्तिहान लेने की कसम खा ली है। मंडी से सांसद कंगना ने अब जाति जनगणना पर बयान देकर नया विवाद खड़ा कर दिया है। एक इंटरव्यू के दौरान हिमाचल प्रदेश के मंडी लोकसभा क्षेत्र से बीजेपी सांसद कंगना रनौत से पूछा गया क्या देश में जाति जनगणना होनी चाहिए। कंगना रनौत ने जवाब दिया नहीं, देश में जातिय जनगणना नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि करनी ही क्यों है? क्यों पता करनी है जाति? मेरे आस पास जाति जैसा कुछ है नहीं। जातियों के बारे में बहुत लोग नहीं सोचते। जातिय जनगणना की मांग पर फ्रंट फुट पर चल रही कांग्रेस को इस बयान से बूस्टर मिला और उसने कल से बीजेपी को ओबीसी विरोधी बताना शुरू कर दिया। कांग्रेस ने कहा कि कंगना के बयान से साफ लगता है कि बीजेपी जातिय जनगणना कराने के मूड में नहीं है। हालांकि इस मुद्दे पर जेडीयू ने बीजेपी का बचाव करते हुए कहा कि कंगना बीजेपी की प्रवक्ता नहीं हैं।

कंगना रनौत ने दैनिक भास्कर को एक इंटरव्यू दिया और उसमें कहा कि किसान आंदोलन में जो आंदोलनकारी थे उनके ऊपर कई सारे सनसनीखेज आरोप लगाए। उसको लेकर हरियाणा से लेकर पूरे पंजाब में रोष पैदा हुआ। किसानों का क्रोध और हरियाणा में चुनाव को देखते हुए बीजेपी ने बिना क्षण गवाए कंगना के बयान से दूरी बना ली। कंगना को चेतावनी भी दी। बीते दिनों कंगना ने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की है। जेपी नड्डा ने उन्हें कई नसीहतें दे दी। बताया जा रहा है कि जेपी नड्डा ने कहा कि अगर आपको बात करनी ही है तो आपको अपने संसदीय क्षेत्र के बारे में बात करनी चाहिए। वहां के मुद्दे उठाने चाहिए और वहां की परेशानियों के बारे में बात करनी चाहिए। जेपी नड्डा ने कहा कि आप अपने क्षेत्र की समस्याओं के बारे में बात करें। लेकिन ऐसी बातें जो कि नीतिगत मुद्दे हैं और जिन पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में फैसला होता है या ऐसे मुद्दे जो कहीं न कहीं सरकार से जुड़े हों, उन बातों या मुद्दों पर बयान ना दें। आप सांसद जरूर हैं, लेकिन नीतिगत मामलों पर अधिकृत नहीं हैं। न ही इन मामलों पर आपको बोलने की अनुमति है। साफ सी बात है कि बीजेपी कंगना के बयान को लेकर काफी सजग हो गई है और अपने फायदे और नुकसान देख रही है।

जब किसान नेताओं को लेकर इस तरह के बयान दिए जाते हैं और उस पर रिएक्शन देखे जाते हैं। ऐसे समय में बीजेपी ने कंगना को समझाने की कोशिश फौरन शुरू कर दी। पहले तो बीजेपी ने अपने सांसद कंगना रनौत की ओर से किसान आंदोलन पर दिए बयान से किनारा कर लिया। दरअसल, पार्टी हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले किसी तरह का विवाद नहीं चाहती थी। लेकिन जिस अंदाज में कंगना के बयान से किनारा किया गया, उसे लेकर सियासी गलियारों में चर्चा गर्म है। पार्टी ने इसके लिए जारी बयान में जिस तरह से तल्ख और सख्त शब्दों का प्रयोग किया और कंगना को चेतावनी दी, उससे माना गया कि ठश्र के उनके लगातार दिए जा रहे बयानों से परेशान है और एक ही उन्हें संदेश दे दिया गया कि वह अपनी सीमा में रहें और पार्टी लाइन से हटकर बयान न दें। जब कंगना को लोकसभा का टिकट मिला था तब भी पार्टी के अंदर उनके बयानों को लेकर चिंता थी। लेकिन अब जब वह सांसद चुन ली गई हैं, पार्टी उनके बयानों को लेकर हमेशा आशंकित रहती है। पार्टी नेताओं का मानना है कि इसके साथ ही दूसरे बड़बोले नेताओं को भी संदेश दे दिया गया कि वे संयमित होकर बोलें।

जाति जनगणना पर सवाल पूछा गया तो कंगना कहती हैं क्यों जाननी है जाति, क्या हो जाएगा इससे? सामाजिक समरसता और जाति धर्म से ऊपर उठना ही उनका आचार विचार है तो ये भी सही है। लेकिन ये वही कंगना है जिन्होंने करनी सेना के विरोध पर खुद को राजपूत बताते हुए कहा था कि कमर नहीं हिलाती, हड्डियां तोड़ती हूं। ये वही कंगना है जिनके लिए योगी जी ने कहा था कि तुम्हारा हमारा खून एक है। मतलब साफ है जहां पर कंगना को सपोर्ट चाहिए वहां जाति गिना दी। जहां पिछड़े, वंचित और शोषित लोगों के हाथ मजबूत होने की बात आई वहां पर आप सांसद हैं लेकिन वहां हिचकिचाने लगी। सोने पर सुहागा ये है कि अगर पत्रकार को सांसद को ये समझाना पड़ रहा है कि गरीब, दलित, आदिवासी समाज के अपने क्या चौलेंज हैं। उन पर ही ज्यादतियां, नीतिगत रूप से उन्हें कैसे आगे लाना है तो क्या नीतियां बनेगी और संसद में क्या प्रतिनिधित्व कर पाएंगे ये लोग? कहा जाता है कि बीजेपी जब भी राह भटकती है संघ उसे रास्ता दिखाती है। संघ मतलब शालीनता, संघ मतलब सुचिता, संघ मतलब अनुशासन, संघ मतलब सांस्कृतिक राष्ट्रवाद। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहार वाजपेयी, पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी, देश के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ये वो हीरे हैं जो संघ की खुदाई से निकले हैं। संघ का असर बीजेपी पर साफ दिखता भी है और उसके अनुरूप अनुशासन का भी अहम योगदान है। मोदी जी मोदी जी कहकर चुनाव लड़ना और जीत जाना एक बात है और पत्रकारों के घुमावदार सवालों पर बड़बोलेपन में कुछ भी बोल जाना अलग बात है। ऐसे में कंगना से पहले बीजेपी ये बात समझ गई और उन्हें टॉनिक भी दी गई। लेकिन दवाई मिलने और उसका असर होना वक्त तो लगता ही है।

नारी शोषण में भी सियासी पक्षपात शर्मनाक

— तनवीर जाफरी—

बंगाल की राजधानी महानगर कोलकता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में रात की ड्यूटी अंजाम दे रही एक जूनियर डॉक्टर के साथ 9 अगस्त को हुआ बलात्कार तथा बलात्कार के बाद उसी जूनियर डॉक्टर की बेरहमी से की गयी हत्या का मामला इन दिनों देश के सबसे ज्वलंत मुद्दे के रूप में मीडिया में छाया हुआ है। इस बलात्कार व हत्या के मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर सीबीआई जांच भी शुरू हो चुकी है। उस समय यह मामला और भी हाई प्रोफाइल हो गया जबकि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गत दिनों पीटीआई को दिए अपने साक्षात्कार में इसी कांड के सम्बन्ध में यह कह दिया कि 'मैं बहुत निराश और भयभीत हूं। बेटियों के खिलाफ अपराध बर्दाश्त नहीं। राष्ट्रपति ने कहा, बस अब बहुत हुआ। इसके अतिरिक्त भी राष्ट्रपति महोदया ने इसी विषय पर और भी बहुत सी बातें कर हमारे समाज की बेटियों और बहनों के साथ हो रहे इस तरह के अत्याचारों पर गहन चिंता जाहिर की। उन्होंने पूरे समाज का आवाह्न किया कि सब मिलकर इस विकृति का सामना करें ताकि इसे शुरुआत में ही खत्म किया जा सके।

राष्ट्रपति महोदया द्वारा कोलकता रेप व हत्याकांड का ज़िक्र अपने इंटरव्यू में करने के बाद यह चर्चा भी सुनाई देने लगी है कि क्या बंगाल में इसी शर्मनाक काण्ड की आड़ में निर्वाचित सरकार को अपदस्थ कर वहां राष्ट्रपति शासन भी लगाया जा सकता है? इससे पहले भी बंगाल में संदेशखाली की कुछ महिलाओं ने कथित तौर पर यह आरोप लगाया था कि मुख्य मंत्री ममता बनर्जी के करीबी तृणमूल नेताओं द्वारा प्रशासन का डर दिखाते हुए उन लोगों पर अत्याचार किया गया। उनकी जमीन छीन कर उस पर कब्ज़ा कर लिया गया। विरोध करने पर हमले किये गये। जमीन लीज पर लेकर पैसे भी नहीं दिये गये, पैसे देने का वादा करने के बावजूद पैसे नहीं दिये गये और शारीरिक शोषण भी किया गया,आदि आदि। हालांकि इसी मामले में तृणमूल नेताओं पर बलात्कार का आरोप लगाने वाली तीन महिलाओं में से दो ने केस वापस भी ले लिया था। तृणमूल कांग्रेस ने 'स्टिंग ऑपरेशन' के एक वीडियो में दावा किया था कि बीजेपी के स्थानीय नेता ने कई महिलाओं से सादे कागज पर दस्तखत करवाए थे और बाद में तृणमूल नेताओं के विरुद्ध बलात्कार व यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करवाने में इन कागजों का प्रयोग किया गया था। इस साजिश के पर्दाफाश होने के बाद यह मामला जितनी तेजी से मीडिया में उछाला गया था उतनी ही तेजी से यह दबा भी दिया गया। संदेशखाली की घटना के बाद भी बंगाल में राष्ट्रपति शासन की चर्चा सुनाई देने लगी थी।

बलात्कार हत्या जैसे घृणित अपराध निश्चित रूप से कहीं भी हों इसकी घोर भर्त्सना की जानी चाहिये। शासन व प्रशासन व विधायिका को मिलकर ऐसे उपाय ढूंढने चाहिये जिससे अपराधियों के हौसले पस्त हों और वे ऐसे अपराधों की जुरअत ही न कर सकें। साथ ही समाज को अपने बच्चों को भी शिक्षित करना चाहिये। परन्तु अफ़सोस तो इस बात का है कि हमारे देश में बलात्कार व हत्या जैसे घिनौने अपराध को लेकर भी 'राजनीति की हांडी ' चढ़ा दी जाती है। राज्य में सरकार किस दल की है,यह देखकर बलात्कार का विरोध किया जाता है। और इससे भी शर्मनाक यह कि बलात्कार पीड़िता का धर्म व उसकी जाति देखकर भी मामले का विरोध व समर्थन निर्धारित किया जाता है। आरोपी व्यक्ति के रसूख के अनुसार भी उसके साथ बर्ताव किया जाता है। यहाँ तक कि यदि बलात्कार व हत्या का अपराधी बड़ी संख्या में अपने अनुयायी रखता है तो उस पर तो शासन की विशेष कृपा बरसते देखी जा सकती है। खासकर चुनावी बेला में तो ऐसे सफेदपोश अपराधियों को विशेष पेरोल तक दे दी जाती है।

याद कीजिये गुजरात में 2002 में हुए साम्प्रदायिक दंगों के दौरान बिलकीस बानो व उसकी मां के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था तथा उसी समय उनके सामने उन्हीं के परिवार के सात सदस्यों की हत्या भी कर दी गयी थी। इस लोमहर्षक जुर्म में महाराष्ट्र उच्च न्यायालय द्वारा 11 अपराधियों को आजीवन कारावास की सजा दी गयी थी। परन्तु मई 2022 में गुजरात सरकार ने ब्श्छे चरित्र के आधार पर दोषियों की सजा में छूट देते हुये स्वतंत्रता दिवस के दिन इनको रिहा कर दिया था। एक तरफ तो भारत सहित पूरे विश्व में गुजरात सरकार के इस कदम की घोर आलोचना हुई थी। तो दूसरी तरफ इन हत्यारे बलात्कारियों को मंच पर सुशोभित किया जाने लगा था। इन्हें फूल माला पहनाकर इन हत्यारे बलात्कारियों का स्वागत किया जा रहा था। इसी आलोचना के दौरान एक विश्व हिन्दू परिषद् के पक्षकार 'विद्वान लेखक ' ने इन हत्यारे बलात्कारियों का पक्ष लेते हुये अपने आलेख को इस आशय के शीर्षक से सजाया था कि –श्ह्वाकिर हिन्दुओं को भी तो जीने का अधिकार है ? ' यह तो भला हो सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुयन का जिन्होंने इस मामले में संज्ञान लेते हुये – कहा कि मई 2022 में गुजरात सरकार ने दोषियों की सजा में छूट देकर तथ्यों की उपेक्षा की थी। और इसी टिप्पणी के साथ उन्होंने सभी दोषियों को दो हफ्ते के भीतर जेल प्रशासन के पास हाजिर होने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने उसी समय यह भी कहा था कि गुजरात सरकार के पास सजा में छूट देने और इस बारे में कोई फैसला लेने का अधिकार नहीं है। इस तरह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद यह अपराधी पुनः जेल जा सके थे और इन हत्यारे बलात्कारियों के हमदर्दों को अपनी मुंह की खानी पड़ी थी।

इसी तरह जनवरी 2018 के कठुआ,जम्मू के 8 वर्ष की मासूम असिफा बानो के सामूहिक बलात्कार व उसकी हत्या के समय भी बलात्कार समर्थक इन बेशर्मों चेहरा बेनकाब हुआ था। इस घृणित अपराध का साजिशकर्ता एक रिटायर्ड राजस्व अधिकारी था जोकि उस समय एक स्थानीय मंदिर का पुजारी भी था जहाँ कई दिनों तक उस बच्ची के साथ बलात्कार किया जाता रहा। इस घटना को भी धार्मिक रंग देते हुये स्वयं को हिन्दू हितैषी कहने वाले लोग बलात्कारियों के पक्ष में केवल खड़े ही नहीं हुये बल्कि उनके समर्थन में जुलूस निकाले, प्रदर्शन किये और हाथों में तिरंगा लेकर सड़कों पर उतरे। मणिपुर में महिलाओं के साथ क्या कुछ नहीं हुआ। पूरा विश्व उस घिनौनी खबर से हिल गया था जबकि सैकड़ों की भीड़ ने वर्ग विशेष की लड़कियों से नग्न परेड कराई और उनके साथ सामूहिक बलात्कार किये गये। ऐसे अनेक घटनायें मणिपुर में घटीं। उत्तरांचल,मणिपुर राजस्थान,मध्य प्रदेश कहाँ नहीं हो रहा है बलात्कार ? परन्तु क्या मीडिया तो क्या सरकारी तंत्र व विशेष विचारधारा के लोग इन सबको केवल गैर भाजपा शासित राज्यों में ही ऐसे अपराध नजर आते हैं ? यदि बलात्कारियों व हत्यारों को दलगत अथवा धर्म व जाति के चश्मे से देखा जाने लगा यानी नारी शोषण में भी पक्षपात किया जाने लगा फिर हमारे देश के लिये इससे निंदनीय व शर्मनाक और क्या हो सकता है ?

आर्थिक उपलब्धियों की आधी सदी

—टीएन निनान—

आज हमें लगता नहीं कि हुआ होगा, लेकिन 50 साल पहले भारत एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया था। उस समय आर्थिक संकट और राजनीतिक उथल–पुथल थी। एक साल बाद निर्णायक कार्रवाई के रूप में इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू कर दिया था। लेकिन दो साल से भी कम समय में इस फैसले को वापस ले लिया। जो चीज अधिक दीर्घकालिक साबित हुई व जिस पर उस समय मुश्किल से गौर किया जाता था वह इंदिरा गांधी के साफतौर पर झलकते वामपंथी झुकाव वाले चरण से इतर आर्थिक नीति में एक नई दिशा की जरूरत थी। इसके बाद वाले समय में, भारत द्वारा लंबे समय तक आर्थिक मोर्चे पर कमजोर प्रदर्शन करने वाले युग का अंत हुआ और आगे जाकर एक नई 'भारतीय गाथा' का जन्म हुआ।

वर्ष 1970 के दशक के मध्य तक, विश्व अर्थव्यवस्था की तुलना में भारत की प्रगति काफी धीमी थी। 1970 के दशक का उत्तरार्ध संक्रमण काल था, जिसमें युद्ध, कमजोर खेती और यहां तक कि अकाल, भारतीय रुपये का असहनीय अवमूल्यन और तेल पर मिले दो झटकों के रूप में लगभग 15 साल तक संकटकाल बना रहा। जवाहर लाल नेहरू के शुरुआती आशावाद के बाद इनमें से कई घटनाओं ने राष्ट्रीय आत्मविश्वास खोने में योगदान किया था। लेकिन एक बार जब अर्थव्यवस्था स्थिर हो गई, तो उसके बाद लगातार आधी सदी तक बेहतर प्रदर्शन हुआ। विकास दर के मामले में, निम्न–आय और मध्यम–आय वाले देशों के अलावा, कई विकसित अर्थव्यवस्थाओं को भी पीछे छोड़ दिया गया है। परिणामस्वरूप, देश के पास आज एक अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव है, जो इससे पहले कभी नहीं था। फिर भी, निरंतर खराब सामाजिक–आर्थिक मापदंडों और बढ़ती असमानता के कारण यह एक 'चमत्कार' रिकॉर्ड नहीं रहा है।

संक्रमण काल से पहले, वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी कम ही रहीकृइससे पहले की गिरावट धीमी पड़ी, स्थिर हुई और आखिर में सुधरने लगी। वर्ष 1960 में यह 2.7 प्रतिशत से घटकर 1975 में 1.9 फीसदी रही। यहां तक कि 2013 में भी, विश्व जीडीपी में भारत की हिस्सेदारी 1960 की तुलना में मामूली कम थी। अब, 2024 में, यह वैश्विक जीडीपी का 3.5 प्रतिशत है। और चूंकि अर्थव्यवस्था वैश्विक औसत से दोगुनी गति से बढ़ रही है, इसलिए वैश्विक आर्थिक विकास में भारत तीसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है।

प्रति व्यक्ति आय में भी इसी तरह सुधार हुआ है। प्रति व्यक्ति आय के वैश्विक औसत में, 1960 में यह 8.4 प्रतिशत से घटकर 1974 में 6.4 फीसदी रह गई। 2011 में यह मात्रा बढ़कर 13.5 प्रतिशत हो गई और 2023 में यह 18.1 प्रतिशत रही। पिछले पांच दशकों में यह वृद्धि लगभग तीन गुना है। फिर भी अधिकांश देशों में लोग काफी अच्छे जीवन स्तर का आनंद ले रहे हैं। वास्तव में, अफ्रीका और भारत के पड़ोसी दक्षिण एशियाई देशों के अलावा शायद ही कोई ऐसा देश हो जहां प्रति व्यक्ति आय वैश्विक औसत से कम हो। अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है।

भारत की गाथा को बदलने वाला मुख्य कारक इसकी जनसंख्या का आकार है। हालांकि, प्रति व्यक्ति आय मामूली है, लेकिन जब इसे 140 करोड़ से गुणा किया जाता है, तो यह भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना देती है। वर्तमान में, भारत मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल–स्कूटर के लिए दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। शायद विमानन सेवा और कारों के लिए तीसरे या चौथे स्थान पर। उत्पाद और सेवा बाजार में हुई उल्लेखनीय वृद्धि मध्यम आय वर्ग के आकार में हो रहे विस्तार की बदौलत है। इस वर्ग को सेवा मुहैया कराने वाले काम–धंधों से निवेशकों ने बहुत अधिक धन बनाया, जिससे भारत के डॉलर–खरबपतियों की गिनती में बढ़ोतरी हुई (200 की संख्या के साथ भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर है) जबकि शेयर बाजार पूंजीकरण के हिसाब से इसकी स्टॉक मार्केट चौथे स्थान पर आती है।

आदमखोर भेड़िये का आतंक जारी, दो पर किया हमला, हालत नाजुक

संवाददाता–बहराइच। महसी इलाके में खूंखार शिकारी भेड़िए का आतंक खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। वन विभाग की टीम भेड़ियों को पकड़ने के लिए सभी जुगत अपना रहा है। इसके बावजूद भी भेड़िया हमला करने पर आतुर नजर आ रहा है। शनिवार रात फिर एक बार खूंखार भेड़िए ने दो लोगों के ऊपर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में 8 वर्षीय बालक व 55 वर्षीय वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए। इन दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है। जहां पर दोनों की हालत नाजुक बनी हुई। भेड़िए के आतंक से तकरीबन 50 गांव के लोग आतंकित हैं। ये भेड़िए कब पकड़े जाएंगे, इसका जवाब किसीकेपासनहींहै।

8 साल के घायल बच्चे पारस के परिजनों ने बताया कि बच्चा चारपाई पर सो रहा था। रात 1.30 बजे भेड़िया आया और बच्चे की गर्दन पकड़ ली। बच्चे ने चीखना शुरू किया और वहीं पास किसी चीज को पकड़कर खुद को बचाने के लिए खींचता रहा। वहीं भेड़िया बच्चे को अपनी ओर खींचता रहा। बच्चे का शोर सुनकर उसके परिजन जाग गए और हल्ला मचा दिया। शोर सुनकर भेड़िया बच्चे को घायल करके छोड़कर भाग निकला। परिजनों ने बताया कि उन्होंने भेड़िये को देखा।

अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्यकेंद्र के डाक्टर आशीष वर्मा ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि मरिजों को जरूरी दवाएं और इंजेक्शन दिए गए हैं। उनका इलाज जारी है। दोनों घायलों को समय रहते भर्ती करने से अब खतरा नहीं है। साथ ही डॉक्टर ने कहा कि इस इलाके में भेड़िये या आदमखोर जानवर का कहर है और वन विभाग की टीमें लगी हुई हैं। इससे संभावना है कि घायलों पर भेड़िये ने ही हमला किया है। डॉक्टर का कहना है कि घायलों के परिजनों ने भी भेड़िए के हमले की बात कही है।

उल्टी–दस्त के आठ व बुखार के पांच नए मरीज भर्ती

संवाददाता–श्रावस्ती। तराई में पड़ रही भीषण उमस भरी गर्मी के कारण संक्रामक रोगों का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को जिला अस्पताल में 13 नए मरीज भर्ती हुए। इनमें से आठ उल्टी–दस्त तो पांच बुखार से पीड़ित हैं। संयुक्त जिला चिकित्सालय में 668 मरीज इलाज कराने आए। इनमें से टिटिहिरिया निवासी अनीता (25), पांडेय पुरवा निवासी प्रतिमा (35), पतिझिया निवासी सुरेश (40), चिल्हरिया निवासी अमरेश (25), बरगदवा निवासी अनुराग (6), बैरागी पुरवा निवासी ओम (5), ऐलहवा निवासी अनिल (40) व मल्हीपुर निवासी पिंकू (10) को उल्टी–दस्त की समस्या है। इन्हें अस्पताल में भर्ती कर लिया गया। वहीं वीरपुर बगही निवासी बाबूराम (7), मझौवा निवासी मुस्कान (9), भिनगा बारी मोहल्ला निवासी साबिया (25), घोलिया निवासी शफीक अहमद (7) तथा जमुनहा निवासी निशा (8) को तेज बुखार के कारण भर्ती किया गया। पूर्व में भर्ती मरीजों का इलाज चल रहा है। यही स्थिति सीएचसी व पीएचसी सहित निजी अस्पतालों की भी है जहां उल्टी–दस्त व वायरल फीवर के मरीज पहुंच रहे हैं। इन सबका कारण चिकित्सक उमस भरी गर्मी, जलभराव व बदहाल सफाई व्यवस्था तथा खानपान पर ध्यान न देना बता रहे हैं। संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा में डेंगू वार्ड बनाया गया है जहां मच्छरदानी नदारद है। हालांकि संयुक्त जिला चिकित्सालय में अगस्त में अब तक एक भी मरीज में डेंगू की पुष्टि नहीं हुई है। अगस्त में संयुक्त जिला चिकित्सालय में कुल 16,462 सैंपल जांच के लिए आए। इनमें एक भी मरीज डेंगू व मलेरिया पॉजिटिव नहीं मिला जबकि 55 लोगों में टाइफाइड, 55 में पेट संबंधी बीमारी की पुष्टि हुई। डॉ. राम गोपाल, सीएमएस ने कहा कि अस्पताल में सभी व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। यदि कोई डेंगू का मरीज आएगा तो उसका समुचित इलाज किया जाएगा।

बिन ड्राइवर दौड़ता ट्रक देख पुलिसवालों के उड़ गए होश, दीवार तोड़ थाने में घुसा, बाल–बाल बचे गार्ड–चौकीदार

संवाददाता–देवरिया। रविवार को सुबह एक बड़ा हादसा होते–होते बच गया। यहां पुलिस ने घेराबंदी कर एक ट्रक को रोकने की कोशिश की तो ड्राइवर चलती ट्रक से कूद गया। जबकि ट्रक आगे की ओर दौड़ता रहा। बिन ड्राइवर ट्रक को अपनी ओर बढ़ता देख पुलिसवालों के होश उड़ गए। बेकाबू ट्रक थाने की चहारदीवारी को तोड़ते हुए पेड़ से टकराया। पेड़ से टकराने से पहले ट्रक ने थाना परिसर में खड़ी तीन बाइकों को भी तहस–नहस कर दिया। गार्ड और चौकीदार ने कूद कर किसी तरह अपनी जान बचाई। इस घटना से थाने में हड़कंप मच गया।

रविवार की सुबह रायबरेली से गोवंशीय पशुओं से भरा एक ट्रक बिहार जा रहा था। सदर कोतवाली क्षेत्र के सोनू घाट चौराहे से वह गोरया घाट वाले मार्ग पर मुड़ गया। बरियारपुर पुलिस ने महुआनी चौराहे पर संदिग्ध ट्रक आने की जानकारी मिलते ही नाकेबंदी कर दी। बैरियर के साथ पुलिस टीम को देखकर ट्रक चालक ने वाहन को भीखमपुर रोड की ओर मोड़ दिया। कसया ढाला होते हुए ट्रक कसया की ओर जाने लगा। यह देख बरियारपुर पुलिस ने रामपुर कारखाना थानाध्यक्ष नंदा प्रसाद को संदिग्ध ट्रक के जाने की जानकारी दी। इसकी सूचना मिलते ही रामपुर कारखाना थानेदार फोर्स के साथ थाना गेट पर जम गए। करीब 9 बजे भारी फोर्स को थाना गेट पर देखकर ड्राइवर चलते ट्रक से कूद गया। बिना ड्राइवर के ट्रक बेकाबू होकर थाना गेट के पास खड़ी तीन बाइक को क्षतिग्रस्त करते हुए चहारदीवारी से जा टकराया। चहारदीवारी टूट गई। ट्रक, चहारदीवारी तोड़कर पेड़ से टकराकर रुक गया। चहारदीवारी के पास पेड़ के चबूतरे पर बैठे गार्ड और चौकीदार ने किसी तरह कूद कर अपनी जान बचाई। पुलिसकर्मियों ने ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। उससे पशुओं के बारे में पूछताछ की जा रही है।

ठगी के शिकार लोगों ने शुरू किया बेमियादी सत्याग्रह, भुगतान कराने की मांग

संवाददाता–महाराजगंज। जिले के ठगी के शिकार लोगों ने रविवार को कलक्ट्रेट परिसर में बेमियादी सत्याग्रह शुरू कर दिया। कहा कि जिले में बहुत से ऐसे लोग हैं जिनकी पारिश्रमिक से प्राप्त पूंजी सरकारी एजेंसीज व ठगों के पास फंसी है। बार–बार आवेदन करने के बाद भी जिला प्रशासन व सक्षम अधिकारी वापस नहीं करा रहे हैं। इसकी वजह से पीड़ित परिवारों के सामने भुखमरी की नौबत आ रही है। कहा कि मांग पूरी न होने तक वे यहीं बैठे रहेंगे।

जमाकर्ता परिवार के जिलाध्यक्ष कृष्ण मोहन गुप्ता, नर्वदेश्वर, अम्बिका यादव, हरिनाथ प्रसाद, नंदलाल, गणेश, राजाराम पटेल, राज सिंह, शिवमंगल, रम्भाकांत, शंकर व राजेश का कहना रहा कि भुगतान शिविर लगवाकर ठगी पीड़ितों की जमाराशि का भुगतान अविलम्ब कराया जाय। कहा कि ठगी पीड़ितों का भुगतान, क्षतिपूर्ति और निर्दोष एजेंट्स को सुरक्षा, सम्मान न्याय अविलम्ब सुनिश्चित करवाने के साथ ठगों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को संबोधित मांगपत्र में इन लोगों ने भुगतान की गारंटी के अधिकार कानून अनियमित जमा योजनाएं पाबंदी अधिनियम 2019 के तहत प्रत्येक ठगी पीड़ित निवेशक की जमाराशि का दो से तीन गुना भुगतान करने, बेरोजगार निर्दोष एजेंट्स को सुरक्षा व पुनर्वास का अधिकार देने, ठगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की गई है। वक्ताओं ने कहा कि डूबी हुई जमा राशि को पीड़ित आवेदक को 180 दिन में जमाराशि के दो से तीन गुणा वापस दिलाने का कानूनी अधिकार दिया गया था। अनियमित जमा योजनाएं पाबन्दी अधिनियम 2019 के अंतर्गत देश के प्रत्येक जिले में पीड़ित आवेदकों से आवेदन लेने और उनका भुगतान करने के लिए भुगतान पटल की स्थापना कागजों में कानून में हुई थी। कहा कि उनकी फंसी पूंजी का भुगतान प्राथमिकता के तौर पर कराई जाए।

संदिग्ध परिस्तिथि में नवविवाहिता की मौत, पुलिस ने श्मशान घाट से शव को पोस्टमार्टम में भेजा

संवाददाता–देवरिया। श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सभा मिश्रौली खास में शनिवार की रात संदिग्ध परिस्थितियों में एक नवविवाहिता की मौत हो गई। ससुराल वाले उसका अंतिम संस्कार करने जा रहे थे। नवविवाहिता की मां की सूचना पर पुलिस ने श्मशान घाट से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी है और नवविवाहिता के पति को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के मिश्रौली खास के रहने वाले रूपेश यादव की शादी बीते जुलाई में बिहार प्रान्त के सीवान जिला के निशु यादव (25) से हुई थी। बताया जाता है कि शनिवार की रात नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। ससुराल के लोग पुलिस को बिना सूचना दिए अंतिम संस्कार में जुट गए। इधर नवविवाहिता की मां को घटना की जानकारी होने पर उसने पुलिस को सूचना दिया। सूचना पाकर श्मशान घाट से पुलिस ने नवविवाहिता के शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। घटना स्थल से उसके पति और कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। ससुराल वालों का कहना है कि नवविवाहिता ने फांसी लगा कर जान दे दी है। जब कि मायके वाले हत्या का आरोप लगा रहे है। इस सम्बंध में पूछे जाने पर थाना प्रभारी श्रीरामपुर कल्याण सिंह सागर ने बताया कि नवविवाहिता के शव को श्मशान घाट से बरामद कर पीएम को भेजा गया है। अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। जांच की जा रही तहरीर और पीएम रिपोर्ट के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

गो तस्करों के हमले में सिपाही घायल, दो पिकअप व आठ गोवंश बरामद

संवाददाता–बलरामपुर। गोवंश बरामद करने गई पुलिस टीम पर गो तस्करों ने हमला कर दिया। एक कांस्टेबल के सिर में चोटें आई हैं। गो तस्करों का आक्रामक रूप देख प्रभारी निरीक्षक को जान बचाने के लिए हवा में गोलियां चलानी पड़ीं। पुलिस ने पिकअप पर लोड आठ गोवंश बरामद किए हैं। पुलिस टीम बदमाशों को चिन्हित करने के काम में लगी है। घटना स्थानीय थाना क्षेत्र अन्तर्गत गौरा चौराहा मार्ग स्थित गुलरिहा घाट गांव के निकट शनिवार मध्य रात्रि हुई है। एसपी ने गो तस्करों को शीघ्रता पूर्वक गिरफ्तार किए जाने का निर्देश दिया है।

शनिवार रात प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, एसएसआई श्रवण चन्द्र सिंह, एसआई जमील खां, अरविंद कुमार साहनी, हेड कांस्टेबल रणवीर सिंह, आनंद कुमार, कांस्टेबल मनीष कुमार, प्रदीप, धीरेन्द्र पटेल, अखिलेश भारती व गौतम प्रसाद गस्त पर निकले थे। मुखबिर से सूचना मिली कि गौरा चौराहा मार्ग स्थित गुलरिहा घाट गांव के निकट गो तस्कर पिकअप गाड़ी पर क्रूरता पूर्वक बैलों को लाद रहे हैं। सूचना यह भी थी कि थोड़ी दूर स्थित त्रुकौलिया गांव के निकट भी पिकअप पर बैलों को क्रूरता पूर्वक लादा जा रहा है। मुखबिर भरोसे का था इसलिए पुलिस टीम बिना समय गंवाए गुलरिहा घाट गांव की ओर रवाना हो गई। उस समय रात के लगभग 12 बज रहे थे। गाड़ी रुकते ही मनीष कुमार व प्रदीप कुमार गो तस्करों से पूछताछ करने लगे। गो तस्कर पुलिस कर्मियों के किसी भी सवाल का जवाब नहीं दे पा रहे थे। उनकी संख्या आधा दर्जन के आस पास थी। इसी बीच एक तस्कर ने मनीष कुमार के सिर पर पीछे से डंडे से वार कर दिया। उनका सिर फट गया। वह जमीन पर बैठ गए। गो तस्कर पुलिस को ललकारते हुए भागने लगे। अचानक हुए हमले से पुलिस कर्मी घबरा गए। प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार सिंह ने सर्विस रिवाल्वर निकालकर हवा में दो गोलियां चलाई। पुलिस को आक्रामक होता देख गो तस्कर अंधेरे का लाभ उठाकर भाग निकले।

पुलिस ने त्रुकौलिया गांव के निकट पिकअप गाड़ी खड़ी देखी, जिसमें आठ बैलों को लादा गया था। बैलों के शरीर में चोट के निशान पाए गए। गो तस्कर दोनों पिकअप छोड़कर भाग निकले थे। पुलिस उन्हें जब्त कर थाने ले आई। मनीष कुमार को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भेजा गया था। उनकी हालत खतरे से बाहर थी। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें थाने भेज दिया गया। प्रभारी निरीक्षक ने रात में ही अधिकारियों को घटना की जानकारी देकर पुलिस कर्मियों की बैठक बुलाई। आवश्यक निर्देश के बाद सभी को क्षेत्र में गो तस्करों की तलाश में भेज दिया गया।

बताया जाता है कि बलरामपुर के साथ–साथ दूसरे जिले के गो तस्कर भी घटना में शामिल थे। बैलों को नेपाल ले जाने की योजना थी। इसी बीच मुखबिरी के कारण वे अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो सके। वहीं गो वंशों को स्वास्थ्य परीक्षण कराने के बाद गुलरिहा घाट के ग्रामीणों को सौंप दिया गया है। विकास कुमार, एसपी ने कहा कि गो तस्करों के हमले में कांस्टेबल घायल हुआ है। तस्करों की पहचान कराई जा रही है। गाड़ियां कहां और किसकी हैं इसका पता चल चुका है। केस दर्ज कर गो तस्करों की तलाश कराई जा रही है।

संपत्ति का ब्योरा पोर्टल पर दर्ज करने को कर्मचारी हलकान

संवाददाता–गोण्डा। स्वास्थ्य महकमें के मुलाजिमों के लिए एक बहुत ही जरूरी खबर है। अगर उन्होंने मानव संपदा पोर्टल पर अपनी चल और अचल संपत्ति का ब्योरा दर्ज नहीं किया तो उन्हें अगस्त माह का वेतन नहीं दिया जाएगा। स्वास्थ्य महानिदेशालय के इस फरमान से कर्मियों में हड़कंप मचा है।

यह फरमान महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. बृजेश राठौर ने जारी किया है। फरमान जारी होने के बाद महकमें में तरह–तरह की चर्चा हो रही है। सभी कर्मचारी अपने संघ के नेताओं से सम्पर्क कर इस फरमान पर अपनी प्रतिक्रिया दर्ज करा रहे हैं। इससे पहले भी फरमान जारी कर पैरामेडिकल संवर्ग नियमित कार्मिकों प्रभारी अधिकारी फार्मेसी, चीफ फार्मासिस्ट, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन, वरिष्ठ लैब टेक्नीशियन, एक्सरे टेक्नीशियन, डार्क रुम सहायक, ईसीजी टेक्नीशियन व फिजियो आकूपेशनलथिरेपिस्ट के साथ ही अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों को ब्योरा दर्ज करने का निर्देश दिया गया था। यही नहीं ब्योरा दर्ज करने की एक प्रति भी जिम्मेदार अफसरों से मांगी गई थी। यह आदेश इस समय विभाग के सोशल मीडिया वाट्सअप ग्रुपों पर खूब वायरल भी हो रहा है। संबंधित कर्मचारी विभाग के इस फरमान को लेकर तरह–तरह के कमेंट भी कर रहे हैं।

महानिदेशक ने सभी सीएमओ व अपर निदेशक को स्पष्ट निर्देश दिया है कि मानव संपदा पोर्टल पर चल–अचल संपत्ति का ब्योरा दर्ज करने वालों को ही अगस्त माह का वेतन आहरित किया जाए। संपत्ति का ब्योरा न दर्ज करने वालों को अगस्त माह का वेतन बाधित कर दिया जाए। डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष सालिकराम त्रिपाठी ने बताया कि फरमान ग्रुपों पर वायरल हो रहा है। आदेश जारी हुआ है तो संबंधित कर्मचारी सम्पत्ति का ब्योरा भी मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज करेंगे। इस संबंध में अपर निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य देवीपाटन मंडल डॉ. जयंत ने बताया कि महानिदेशालय के आदेश को मंडल के सभी सीएमओ व सीएमएस को अनुपालन के लिए भेज दिया है। जल्द ही सभी संबंधित कर्मचारियों से संपत्ति का ब्योरा मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज करने का निर्देश दिया गया है।

सदस्यता अभियान को लेकर बनी रणनीति, बूथ स्तरीय टीम तैयार

संवाददाता–महाराजगंज। भाजपा के राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान को लेकर भाजपा के विभिन्न मोर्चों की कार्यशाला पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष संजय पांडेय की अध्यक्षता में हुई। सोमवार से 25 सितंबर तक चलने वाले अभियान को लेकर रणनीति बनाई गई। जिले के प्रभारी राम जियावन मौर्य ने कहा कि भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं की पिछली तीन साल की सदस्यता 31 अगस्त को स्वतः समाप्त हो गई। इस सदस्यता अभियान में बूथ स्तरीय 5 सदस्यीय एक टीम तैयार की गई है, जो हर घर जाकर केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताएगी।

सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया ने कहा कि सदस्यता अभियान को संगठन के महापर्व के रूप में मनाना है। सदस्य बनाने के लिए चार तरह की व्यवस्थाएं की हैं। इसमें ऑनलाइन, नमो एप, क्यूआर कोड और फॉर्म भरकर सदस्य बनाया जाएगा। कहा कि पार्टी का मुख्य उद्देश्य डॉक्टर दीन दयाल उपाध्याय के सिद्धांतों पर चलकर अंतिम पायदान पर बैठे हुए व्यक्ति का विकास करना है। जिलाध्यक्ष संजय पांडेय ने कहा कि भाजपा केवल एक दल नहीं है बल्कि एक विचारधारा है। जिसमें राष्ट्रवाद सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य उन सभी लोगों को पार्टी से जोड़ना है जो भारत को एक समृद्ध और समर्थ राष्ट्र बनाने की चाह रखते हैं। उन्होंने बताया कि 8800002024 पर मिस्ड कॉल करके, क्यूआर कोड स्कैन करके, नमो एप के माध्यम से, ऑफलाइन फॉर्म भरकर,अन्य डिजिटल माध्यमों से सदस्य बनाए जाएंगे। कार्यशाला में जिला उपाध्यक्ष अमरनाथ पटेल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कृष्ण गोपाल जायसवाल, जिला महामंत्री ओम प्रकाश पटेल, बबलू यादव,अल्पसंख्यक मोर्चा जिला महामंत्री इलताफ खान, अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष भीम प्रसाद, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष दयाशंकर सिंह ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष ठाकुर रौनियार, नागेंद्र प्रसाद, डॉ सूरज सिंह, राम कोमल चौधरी, सुनील रावत, ओम प्रकाश पांडेय, गिरिजेश अग्रवाल, संजय सिंह, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष राजमती देवी, मण्डल अध्यक्ष प्रज्ञा मिश्र, शुभलक्ष्मी सिंह, वीरेंद्र चौहान,राधारमण शुक्ला, नरेंद्र पटेल सहित तमाम मोर्चा पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कमर में लोहे की चेन बांधकर सिपाही भर्ती की परीक्षा देने पहुंची युवती, बोली- ताला नहीं खोलूंगी, भले ही छोड़ दूं एग्जाम

संवाददाता–महाराजगंज। जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां सिपाही भर्ती परीक्षा के अंतिम दिन शनिवार को पहली पाली में एक महिला अभ्यर्थी की चेकिंग की गई तो वह लोहे की चेन को ताले से बंद कर कमर में लटका रखी थी। जब सुरक्षाकर्मियों ने इस बारे में पूछा तो उसने साफ शब्दों में कह दिया कि वह ताला नहीं खोलेगी भले ही उसे एग्जाम छोड़नी ही क्यों न पड़े। ये मामला जिले के राजकीय कन्या इंटर कॉलेज केंद्र का है। शनिवार को यूपी सिपाही भर्ती की पहली पाली में एक महिला अभ्यर्थी की जांच के दौरान मेटल डोर डिडेक्टर से आवाज आने लगी। इस पर सुरक्षाकर्मी हैरान हो गए। पूछे जाने पर छात्रा ने बताया कि भूत के साया को भगाने के लिए वह तंत्रमंत्र के सुझाव पर अपने कमर में लोहे के माला को ताला से बंद की है। उसी से आवाज आ रही है। महिला सुरक्षाकर्मियों ने कर्मियों ने ताला खोल माला निकालने को कही तो महिला अभ्यर्थी ने कहा कि वह भले ही सिपाही भर्ती परीक्षा को छोड़ दें, लेकिन ताला नहीं खोलेगी। परीक्षा केंद्र की गेट पर अभ्यर्थी के परिजन भी मौजूद थे। उन्होंने बताया कि लड़की भूत के साया से परेशान है। कई भूत उसके उपर सवार हैं। झाड़–फूंक और तंत्र–मंत्र करने वाले के सुझाव पर छात्रा के शरीर पर 11 लोहे की माला को ताला से बंद किया गया था। दस भूत उसे छोड़ चुके हैं। उसके बाद ताला खुल गया था। अभी 11वां ताला नहीं खुला है। उधर, ताला नहीं खोलने की बात पर सुरक्षाकर्मियों ने महिला अभ्यर्थी की सघन जांच की। जब कोई डिवाइस नहीं मिला तो कक्ष निरीक्षक को विशेष निगरानी का निर्देश दिया गया। उसके बाद कमर में ताला लगाकर ही महिला अभ्यर्थी कड़ी निगरानी के बीच परीक्षा दी। वहीं, क्षेत्र में ये मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

श्री राम कथा चरित्र निर्माण की पाठशाला है -महंत गणेश दास

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। श्री राम नगर के जानकीघाट स्थित श्रीराम हर्षणम में चल रही सप्त दिवसीय अमृतमयी श्रीरामकथा के छठवें दिवस राष्ट्रीय कथाव्यास अवधबिहारी कुंज पीठाधिपति श्रीमहंत गणेश दास लश्करी महाराज ने कहा कि प्रभु श्री राम की कथा चरित्र निर्माण की पाठशाला है इसीलिए श्री राम कथा का श्रवण सभी को करना चाहिए और जो व्यक्ति श्री राम कथा का आयोजन करता है उसको विशेष फल प्राप्त होता है क्योंकि वह प्रेरणा स्रोत बनता है लाखों श्रोताओं का। श्री महाराज जी ने कहा कि हम सभी जीव प्रभु के अंश और प्रभु ही हमारे अंशी हैं। जीवन में बिना प्रभु भक्ति कुछ भी संभव नहीं है। अतः हमें निरंतर प्रभु के स्मरण चिंतन भजन में लगे रहना चाहिए। महाराज श्री ने कहा कि 5 सौ वर्षों बाद प्रभु श्रीरामलला अपने निज मंदिर में विराजमान हो गए हैं। यह बड़ा ही सौभाग्य है। सभी मनुष्यों को मानवता की शिक्षा देने के लिए प्रभु मनुष्य रूप में सप्तपुरियों में प्रतिष्ठित श्रीअवधपुरी में पधारते हैं। भगवान श्रीराम के जीवन चरित्रों में से एक चरित्र भी हम अपने अंदर उतार लें। तो निश्चित ही हमारे मानव जीवन में कली का प्रभाव व्याप्त नहीं होगा। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के सभी जीवन चरित्र प्रेरणास्पद हैं। श्रीअवधपुरी में एक क्षण निवास कर लेने से करोड़ों जन्मों के हमारे पाप नष्ट होते एवं पुण्य उदित हो जाते हैं। यह सप्त दिवसीय श्रीरामकथा श्रीरामकृष्ण सेवा मंडल जयपुर, राजस्थान के तत्वाधान में आयोजित है। इस अवसर पर ओमप्रकाश तांबी, राधेश्याम आकड़, रामजीलाल रावत रामबाबू रावत, प्रहलाद रावत, भंवरलाल राजोरिया, कृष्ण मुरारी कूलवाल, रवि रावत समेत बड़ी संख्या जयपुर राजस्थान के भक्तगण उपस्थित रहे। उन्होंने भगवान की मंगलमयी श्रीरामकथा का रसपान कर अपना जीवन धन्य बनाया।

पुलिस चौकी के पास मिला शव, पहचान नहीं

संवाददाता–गोण्डा। शहर में गुरुनानक पुलिस चौकी के पास रविवार को एक व्यक्ति का शव मिला। काफी कोशिश के बाद भी उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस का कहना है कि वह भिखारी था। उसका शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। यह मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के गुरुनानक चौराहा के पास का है। यहां स्थित पुलिस चौकी के निकट रविवार सुबह एक शव पड़ा मिला। यह देखकर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने मृतक की शिनाख्त कराने की काफी कोशिश की लेकिन सफल नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने बताया यह काफी दिनों से रोडवेज चौराहे व इसी रोड के पास टहलता देखा जा रहा था। पुलिस मृतक को भिखारी मानकर चल रही है। शिनाख्त न होने पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बजबजाती नालियां, बिखरे कूड़े व दुर्गन्ध बनी वार्ड की पहचान

संवाददाता–बलरामपुर। मोहल्ला आर्य नगर के वार्ड संख्या–12 में पानी निकास के लिए बनी नालियां गंदगी से बजबजा रही हैं। अधिकतर नालियों पर लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है, जिससे उसकी साफ–सफाई करने में कर्मियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। नालियां भरी होने के कारण उसका पानी सड़कों पर बहता रहता है। वार्ड में बनी लगभग सभी नालियां कूड़े कचरे से पटी हुई हैं। जल निकास की समुचित व्यवस्था न होने के कारण वार्ड के सभी मार्ग पर बारिश होने पर जलभराव हो जाता है। जो महीनों तक जमा रहता है। वार्ड में इंडिया मार्का हैंडपंप न होने से वार्डवासियों के सामने शुद्ध पेयजल की समस्या है। लोगों को साधारण नल का पानी पीना पड़ रहा है। सड़कों व गलियों में बिखरा पड़ा कूड़ा, कचरा और गंदगी से उठने वाली दुर्गंध ने लोगों का जीना मुहाल कर रखा है। यहीं नहीं वार्ड में एक अदद वाटर टैंक की व्यवस्था भी नहीं है। जिस कारण लोगों के सामने शुद्ध पेयजल की किल्लत बनी हुई है। बिजली के झूलते तार से वार्ड वासियों को खतरा बना रहता है। बिजली विभाग के जिम्मेदार तमाम शिकायतों के बावजूद इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। मोहल्ले की लगभग सभी नालियां गंदगी से बजबजा रही हैं। ओवरफ्लो होकर नालियों का गंदा पानी सड़कों व लोगों के घरों के आसपास भरा रहता है। वार्ड में निकलने वाले कूड़े का भी समय से उठान नहीं किया जाता है। कूड़ा व गंदे पानी से तीव्र दुर्गंध उठ रही है। जिससे वार्डवासी लोग नारकीय जीवन जी रहे हैं। वार्ड वासियों के मुताबिक नालियों पर लोगों ने ओटा बनाकर पूर्ण रूप से अतिक्रमण कर रखा है, जिससे नालियों की सफाई नहीं हो पाती है। गंदगी के चलते संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बना रहता है। वार्ड में सोनू राईनी के घर के पास बिजली के जर्जर तार झूल रहे हैं। तारों के आपस में टकराने से बार–बार आपूर्ति ठप हो जाती है। वहीं पूरे दिन ट्रिपिंग की समस्या बनी रहती है। ढीले तार को बनवाने के लिए वार्ड वासियों ने कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन आज तक वार्ड के जर्जर तारों को नहीं बदला गया। तार जर्जर होने के कारण तेज हवा चलने पर आपस में टकराते रहते हैं, जिस कारण आपूर्ति बाधित हो जाती है।

ग्रामीणों की शिकायत के बाद भी बालू खनन जारी

संवाददाता–गोण्डा। गोंडा बहराइच जिले की सीमा पर ग्राम गोड़वा के पास हो रहे बालू खनन पर गांव के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया है। इसमें खनन के लिए चिन्हित जमीन से हटकर किसानों की जमीन में खनन होने की शिकायत की है। वहीं अवैध खनन करने वाले रातों–रात दर्जनों ट्रक, डंपर, ट्राला, ट्राली बालू निकालकर गैर जनपद और आसपास के क्षेत्र में बिक्री कर रहे हैं। यहां तक की खनन के लिए निर्धारित गहराई को दरकिनार कर काफी नीचे से बालू निकालकर जमीन को तालाब की शक्ल में बनाया जा रहा है। इससे उनके खेतों में जलभराव हो चुका है।

तहसील करनैलगंज क्षेत्र के ग्राम गोड़वा निवासी सुमिरन, निरहू, झाना देवी आदि ने जिलाधिकारी व उप जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया है। जिसमें कहा है कि जो जमीन उन्हें सरकार ने पट्टा दिया था। उस जमीन पर बालू निकालने वाले लोग जबरन खनन कर रहे हैं। जबकि खनन के लिए जो जमीन चिन्हित की गई है वहां बालू खनन कर चुके हैं। अब आसपास के ग्रामीणों को डरा धमका कर जबरिया तरीके से रातों–रात बालू खनन करके उनकी जमीन को तालाब के रूप में बनाया जा रहा है। इसके लिए कई बार प्रार्थना पत्र दिया गया।

प्रो. कीर्ति पाण्डेय बनीं शिक्षा सेवा चयन आयोग की पहली अध्यक्ष

संवाददाता–गोरखपुर। प्रो. कीर्ति पाण्डेय को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। वर्तमान में वह दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में कला संकाय की अध्यक्ष हैं। उन्हें आयोग का अध्यक्ष बनाए जाने पर विश्वविद्यालय में जश्न का माहौल है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग को अपना पहला पूर्णकालिक अध्यक्ष मिल गया है। प्रो. कीर्ति पाण्डेय को आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। प्रो. कीर्ति पाण्डेय वर्तमान में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में कला संकाय की अध्यक्ष हैं। डीडीयू के समाजशास्त्र विभाग की प्रोफेसर कीर्ति पाण्डेय के आयोग का अध्यक्ष बनाए जाने पर विश्वविद्यालय में जश्न का माहौल है। रविवार को सुबह से बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ था। सोशल मीडिया पर भी उन्हें बधाई दी जा रही थी।

प्रो. कीर्ति पाण्डेय का लंबा प्रशासनिक अनुभव है। वे जून 2023 से डीडीयू में डीन आर्ट्स हैं। वर्ष 2011–14 तक वे समाजशास्त्र की विभागाध्यक्ष रही हैं। वर्ष 2015 से 2017 तक वे डीडीयू स्थित यूजीसी–एचआरडीसी की निदेशक रही हैं। अक्टूबर 2021 में भारत सरकार द्वारा तीन साल के लिए नाथ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग का विजिटर्स नॉमिनी नियुक्त किया गया था। वहां इसी महीने उनका कार्यकाल पूरा होगा। प्रो. कीर्ति राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी और सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के बोर्ड ऑफ स्टडीज की सदस्य रही हैं। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ और आरएमएल अवध यूनिवर्सिटी में से रिसर्च डिग्री समिति की भी सदस्य रही हैं।

उच्च शिक्षा में शिक्षक के रूप में प्रो. कीर्ति पाण्डेय का 39 वर्षों का लंबा अनुभव है। वर्ष 1985 में समाजशास्त्र विभाग में उन्होंने एडहॉक पर लेक्चरर के रूप में शिक्षण कार्य शुरू किया था। वर्ष 1987 में एसवी डिग्री कॉलेज, देवरिया में एजुकेशन सर्विस कमीशन की परीक्षा के जरिए नियुक्ति हुई थी। वर्ष 1988 में लेक्चरर के रूप में डीडीयू में स्थाई रूप से नियुक्त हुई थीं। डीडीयू में वर्ष 2006 से प्रोफेसर हैं। प्रो. कीर्ति पाण्डेय की विशेषज्ञता 'इंडियन सोसाइटी एंड कल्चर' में है। इस पर उन्होंने काफी काम भी किया है। सोशियोलॉजी ऑफ डेवलपमेंट उनका पसंदीदा क्षेत्र है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग बेसिक और माध्यमिक से लेकर एडेड महाविद्यालयों तक में शिक्षक भर्ती करेगा। पहले इसके लिए अलग–अलग आयोग होते थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एकीकृत शिक्षक भर्तियां करने के लिए उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग का अधिनियम 23 अगस्त 2023 को बनाया गया। इसमें एक अध्यक्ष 12 सदस्यों के पद सृजित किए गए थे। पूर्णकालिक अध्यक्ष की नियुक्ति होने तक एमपी अग्रवाल को कार्यवाहक अध्यक्ष का प्रभार दिया गया था।

तेज रफ्तार कार मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलटी, एक युवक की मौतय तीन घायल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के गोल्हौरा नेशनल हाईवे पर बने टोल प्लाजा व झरुआ मोड़ के बीच में कार पलटने से एक युवक की मृत्यु हो गई है। कार में सवार अन्य तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मृतक का नाम आकाश कसौधन पुत्र भगवती है। उसकी उम्र 22 वर्ष थी। वह शोहरतगढ़ नगर पंचायत का निवासी है। घायलों का नाम 19 वर्षीय मनीष तिवारी पुत्र अमर नाथ, 21 वर्षीय शिवम श्रीवास्तव पुत्र संजय श्रीवास्तव व 30 वर्षीय सुजीत तिवारी पुत्र राजू तिवारी है। सभी शोहरतगढ़ के रहने वाले हैं। उपचार के लिए जिला मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। चारों युवक सुबह पांच बजे एक कार में सवार होकर घूमने निकले थे। कार बानगंगा पुल को पार कर जैसे ही झरुआ मोड़ के पास पहुंची, अनियंत्रित होकर टोल प्लाजा बोर्ड के पाए से टकरा गई। इसके बाद कार और अनियंत्रित होकर हाईवे पर बनी एक पुलिया के रेलिंग में जा भिड़ी और सड़क के नीचे जा गिरी। आसपास के लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी देकर घायलों को कार से बाहर निकालने लगे। आकाश की मौके पर ही मृत्यु हो चुकी थी। पुलिस ने तीनों घायलों को माधव प्रसाद मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घायलों का उपचार चल रहा है।

बुजुर्ग से मारपीट, महिला प्रधान संग पूरे परिवार ने गिरा–गिराकर पीटा

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में एक बुजुर्ग की बेरहमी से पिटाई की गई। सड़क विवाद में बुजुर्ग को कई लोगों ने मिलकर पीटा। हालांकि बुजुर्ग ने अपने आप को बचाने की खूब कोशिश की और उन्हें पीटने वालों को जवाब में पीटा भी। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हुआ। बताया जा रहा है कि विवाद सड़क को लेकर है और बुजुर्ग को पीटने वाले महिला प्रधान समेत उनके परिवार के लोग थे। मामले में शिकायत दर्ज की गई है। मामला अयोध्या के हैदरगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्रामरखौनाका है। सड़क के विवाद को लेकर महिला प्रधान सहित पूरे परिवार ने बुजुर्ग की जमकर पिटाई की। बुजुर्ग को महिला और अन्य लोगों ने लाठी–डंडे से जमकर पीटा और लात–घूंसे भी चलाए। पिटाई के वायरल वीडियो की हिंदुस्तान पुष्टि नहीं करता है। मामले में बुजुर्ग के परिजनों ने शिकायती पत्र देकर मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस को जानकारी दी गई है कि सड़क के विवाद में बुजुर्ग के साथ बदसलूकी की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बताया जा रहा है कि पिटाई के कारण बुजुर्ग को कई जगह चोटें आई हैं। घायल बुजुर्ग का इलाज जारी है। जांच में लगी पुलिस बुजुर्ग का बयान दर्ज कर चुकी है। बुजुर्ग के परिजनों ने भी बयान लिए गए हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में शिकायत मिली है। शिकायत का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। आरोपियों को जल्द पकड़कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने मामले में जांच के लिए आस–पास के लोगों से बात की है। पुलिस को जानकारी मिली है कि सड़क को लेकर कई विवाद है। इसी विवाद के चलते महिला प्रधान अपने परिवार के साथ आईं और अकेले बुजुर्ग से झगड़ा किया। महिला प्रधान और अन्य लोगों ने इसी बीच बुजुर्ग को पीटना शुरू कर दिया।

जिगिना गांव में शौचालय के लिए खोदे गए गड्ढे में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद कोतवाली थाना क्षेत्र के जिगिना गांव में रविवार को शौचालय के लिए खोदे गए गड्ढे में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई। एक की उम्र नौ साल दूसरे की है 11 साल है। छोटा भाई का पैर फिसलने से गड्ढे में गिरा तो बड़ा भाई उसे बचाने के लिए गड्ढे में कूद गया। दोनों पानी में डूब गए। बच्चों की मौत से गांव में कोहराम मच गया। खलीलाबाद कोतवाली थाना क्षेत्र के जिगिना गांव निवासी दिवाकर का मकान गांव में है। उसका एक नया मकान सड़क के किनारे बन रहा है। इसमें शौचालय के लिए गड्ढा खोदा गया है। इसमें बारिश का पानी भरा है। इधर बरसात का सीजन शुरू होने के बाद घर का निर्माण बंद हो गया। दिवाकर के बेटे शुभम (9) व सत्यम (11) रविवार को नए मकान की तरफ गए थे।

दोनों शौचालय के गड्ढे के पास पहुंच गए। इसी दौरान शुभम पैर फिसलने से गड्ढे में गिर गया। उसे बचाने के लिए सत्यम भी कूद गया। दोनों डूबने लगे। सड़क से गुजर रहे किसी राहगीर ने देखा तो पास पहुंचा। तब तक दोनों डूब गए थे। उसने गांव में जाकर सूचना दी। गांव से आए लोगों ने दोनों को गड्ढे से निकाला। तब तक दोनों की मौत हो गई थी। बच्चों की मौत से गांव में कोहराम मच गया।

खाद की गुणवत्ता दुरुस्त करने के लिए नमूने लिए

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में खाद की व बीज की गुणवत्ता के लिए जिला कृषि अधिकारी ने जिले के मेहदावल तहसील में खाद और बीज की नौ दुकानों पर छापेमारी की। इस दौरान उर्वरक के दो नमूने सील किए गए छह दुकानदार फरार हो गए। फरार दुकानदारों को जिला कृषि अधिकारी सर्वेश कुमार ने नोटिस थमाई है। जिला कृषि अधिकारी डॉ. सर्वेश कुमार यादव ने किसानों को उच्च गुणवत्ता की खाद और बीज मुहैया कराने के लिए खाद की दुकानों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान जायसवाल खाद भंडार कौवाटोर से एसएसपी का एक और मोतीलाल खाद भंडार से पोटास का एक नमूना संकलित कर जांच के लिए प्रदेश स्तरीय लैब में भेज दिया। जिला कृषि अधिकारी स्तर से आधा दर्जन दुकानों को नोटिस दी गई है। इस दौरान पांच दुकानदार अधिकारी को देखते ही दुकान बंद कर भाग खड़े हुए। इन दुकानों में एग्री जंक्शन अब्बासगंज, चौधरी खाद बीज भंडार मुंडेरी, नागेंद्र यादव खाद भंडार बमनी बाजार, लकी बीज भंडार देवकली, डीसीएफ देवकली आदि दुकानदार दुकान बंद कर भाग गए। डा. यादव ने बताया कि लैब से उर्वरक की जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

यूपी में जाली स्टांप पेपर और टिकटों के सिंडिकेट का पर्दाफाश, गैंग का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

नवाब आरजू उर्फ लालू

राजू कुमार यादव

संवाददाता–गोरखपुर। यूपी एटीएस ने प्रदेश में कूटरचित स्टांप पेपरों और टिकटों की सप्लाई का सिंडिकेट चलाने वाले गैंग का भंडाफोड़ कर दिया है। बिहार में ऐसे स्टांप पेपर और टिकट छापकर अपने गैंग के जरिए देश और प्रदेश के विभिन्न जिलों में तस्करी करने वाले अन्तर्राज्जीय गिरोह के मास्टर माइंड नवाब आरजू और उसके सहयोगी राजू कुमार यादव को एटीएस ने रविवार की सुबह गोरखपुर से गिरफ्तार कर लिया।

एटीएस द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस तरह की सूचना मिल रही थी कि प्रदेश में एक सिंडिकेट चल रहा है जो बिहार से कूटरचित भारतीय स्टांप पेपर और कूटरचित स्टांप टिकट छापकर अपने गैंग के सहयोगियों के साथ अलग–अलग जिलों में तस्करी कर रहे हैं। इस सूचना की जांच–पड़ताल में बिहार के रहने वाले नवाब आरजू का नाम सामने आया। पता चला कि नवाब आरजू अपने कुछ साथियों के साथ गोरखपुर आने वाला है। इस सूचना के आधार पर यूपी एटीएस ने गोरखपुर में रविवार की सुबह नवाब और उसके साथी राजू कुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया। यूपी एटीएस के अनुसार नवाब आरजू उर्फ लालू शातिर अपराधी है। वह पहले भी कूटरचित स्टांप पेपरों की तस्करी में जेल जा चुका है। वर्तमान में वह यूपी, बिहार और दिल्ली के विभिन्न जिलों में कूटरचित स्टांप पेपरों और टिकटों की तस्करी कर रहा था। इसी गिरोह के अन्य सक्रिय सदस्यों को पहले ही जेल भेजा जा चुका है। इनमें कमरुद्दीन, साहबजोदे, ऐश मोहम्मद, रविन्द्र दीक्षित, नन्दलाल प्रसाद और संतोष गुप्ता शामिल हैं। गिरोह के अन्य सक्रिय सदस्य एटीएस के रडार पर हैं। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 6.94 लाख रुपए मूल्य के कूटरचित भारतीय स्टांप पेपर, 72000 रुपए मूल्य के कूटरचित भारतीय स्टांप टिकट और तीन मोबाइल फोन मिले हैं। उनकी एक क्रेटा कार भी पुलिस ने बरामद की है।

ग्रामीणों ने लगाया रास्ता बंद करने का आरोप

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। खुनियाव क्षेत्र के अमहवा खात गांव में एक व्यक्ति पर आबादी में स्थित रास्ते को बंद कर अवैध कब्जा करने का आरोप ग्रामीणों ने लगाया है। ग्रामीणों ने एसडीएम से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। खुनियांव क्षेत्र के अमहवा खात गांव के निवासी सलातू पुत्र सीताराम सहित अन्य ग्रामीणों ने शिकायती पत्र के माध्यम से बताया कि गांव के चकरोड गाटा संख्या 59 व 73 के बीच आबादी के नाम दर्ज गाटा संख्या 62 है जिसका उपयोग लोग आने जाने के लिए करते हैं। गांव के ही एक व्यक्ति ने अवैध रूप से अतिक्रमण करते हुए कब्जा कर लिया है। इससे ग्रामीणों को दिक्कत हो रही है। ग्रामीणों ने डीएम से भी न्याय की गुहार लगाई थी जिस पर डीएम ने एसडीएम डुमरियागंज को मामले का परीक्षण करने व नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। शनिवार को कुबेर, प्रमोद कुमार, सुनीता, भदई, निरहू, रामफेर, गब्बू, राजेश, रंजीत, रामतिलक, गोली आदि ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर मामले का निस्तारण कराने की मांग की है। एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित ने बताया कि बीडीओ खुनियांव को रास्ते की जांच को निर्देशित किया गया है। सामूहिक रास्ते में किसी को अतिक्रमण नहीं करने दिया जाएगा। अतिक्रमण करने वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सरयू नदी की कटान से विलीन हो रही खेती योग्य जमीन

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के धनघटा तहसील क्षेत्र में बह रही सरयू नदी में कटान लगने से खेती योग्य जमीन नदी में विलीन हो रही है। जिससे किसानों की माथे पर चिंता की लकीरें खिंचने लगी है। किसानों का कहना है अगर हम लोगों की खेती नदी की धारा में विलीन हो रही तो हम लोग भूमिहीन हो जाएंगे। जलस्तर घटने के साथ अब सरयू नदी ने कटान शुरू कर दी है। लगातार किसानों की खेती नदी की धारा में विलीन हो रही है। नदी ने पहले धनघटा तहसील क्षेत्र के छपरा मगर्वी के पास कटान शुरू की तो लोगों के हाथ पांव फूलने लगे। यहां के किसानों की चिंता कम नहीं हुई थी। अब चपरा पूर्वी गांव के निषाद टोला के पास सरयू नदी ने कटान शुरू कर दी। जिससे अब किसानों की खेती नदी की धारा में विलीन होने लगी है। किसान राम सकल, रामचंद्र, सुभाष, रामशरण, जयकरण, चंद्र आदि लोगों का कहना है कि अगर नदी की कटान इसी तरह से होती रही तो हम लोगों की खेती नदी की धारा में विलीन हो जाएगी। हम लोग भूमिहीन हो जाएंगे। किसानों का कहना है कि इसी तरह से 2012 में सरयू नदी ने कटान शुरू की थी तो विभाग हाथ पर हाथ रख कर बैठा रहा और नदी कटान करते हुए 3 किलोमीटर दूर से बंधे के पास पहुंच गई। तब 1600 मीटर बांध नदी की धारा में समाहित हो गया था। 300 परिवार के लोग के बेघर हो गए थे। किसानों का कहना है कि अगर विभाग ने इस पर गंभीरता से काम नहीं किया तो समस्या बढ़ सकती है। इस संबंध में पूछने पर अधिशासी अभियंता अजय कुमार ने बताया कि नदी थोड़ा होती इधर–उधर कटान करती रहती है इस कटान से कोई समस्या नहीं है।

भैंस चराने गए व्यक्ति की नदी में डूबने से मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। बेलहर थाना क्षेत्र के सुरसा चमन जोत में बूढ़ा नदी के पास भैंस चराने गए एक व्यक्ति की नदी में डूबने से मौत हो गई। उसका शव बरामद कर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बेलहर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मनैतापुर टोला दुल्हीपार निवासी राजदेव यादव (43) पुत्र शिवकुमार गांव के लोगों के साथ शनिवार की शाम भैंस चराने गया था। भैंस चराते समय वह लेट गया और उसे नींद आ गई। गांव के अन्य लोग घर की ओर जाने लगे तो आवाज सुनकर राजदेव की आंखें खुल गई। उसने देखा कि उसकी भैंस बूढ़ा नदी में थी। वह उसे बाहर लाने के लिए नदी में गया। गहरे पानी में जाने के कारण उसकी डूब गया। ग्रामीणों ने पुलिस को घटना की सूचना दिया उसके बाद खोजबीन में पुलिस जुट गई। रात हो जाने से ज्यादा खोजबीन नहीं हो पाई। रविवार को सुबह जब गांव के लोग मौके पर पहुंचे तो शव नदी के किनारे लगा था। मौके पर पुलिस मौजूद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उदघोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या–73 / 2024

1. फूलमती उम्र करीब 68 वर्ष पत्नी धर्मराज पाण्डेय 2. बृजेश उम्र करीब 46 वर्ष 3. अवधेश पाण्डेय उम्र करीब 38 वर्ष 4. रविन्द्र पाण्डेय उम्र करीब 36 वर्ष पुत्रगण धर्मराज पाण्डेय 5. वंदना उम्र करीब 34 वर्ष पुत्री धर्मराज पाण्डेय समस्त निवासीगण ग्राम भरमा तप्पा कुदरन परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

प्रार्थी / प्रार्थीगण

बनाम

इस्टेट

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 29–09–2024

अपने मृतक को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 09 के 29 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

प्रतिकर प्रार्थना पत्र सं0–176 / 2023

अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती

प्रद्युम्न प्रसाद उर्फ प्रद्युम्न कुमार आदि

बनाम

सुजीत सिंह आदि

1. सुजीत सिंह पुत्र मोहन सिंह मकान नम्बर 10 खुनदलपुर वाली फार्म तहसील विलासपुर जिला–रामपुर 444921 (वाहन स्वामी UP.22AT/ 4234)
2. सर्वजीत सिंह पुत्र अजमेर सिंह निवासी 8 नई बस्ती खुनदलपुर तहसील विलासपुर जिला–रामपुर (वाहन चालक UP.22AT/4234)

तारीख पेशी 03–09–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और शख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

भाजयुमो के पूर्व जिला उपाध्यक्ष पर युवती के अपहरण का मुकदमा दर्ज

संवाददाता–संतकबीरनगर। एक गांव निवासी युवक ने भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अभिनव साहनी पर अपनी बहन के अपहरण का आरोप लगाते हुए धनघटा थाने में केस दर्ज कराया है। आरोप है कि अभिनव अपने चार साथियों की मदद से पीड़ित की बहन को घर से अगवा कर ले गया। हालांकि, पुलिस की जांच में पता चला है कि अभिनव की युवती के साथ नजदीकियां थीं और वह उसके घर आता–जाता था। वहीं, भाजयुमो जिलाध्यक्ष ने कहा है कि वर्तमान में अभिनव से संगठन का कोई संबंध नहीं है, उसे बहुत पहले पदमुक्त किया जा चुका है। धनघटा पुलिस को दी तहरीर में अगवा युवती के भाई ने कहा है कि शुक्रवार की सुबह हैंसर बाजार के सोनाडी निवासी अभिनव साहनी जो भाजयुमो का जिला उपाध्यक्ष बताया जाता है वह दो गाड़ियों में सहयोगियों के साथ उसके घर पहुंचा। आरोप है कि अभिनव और उसके सहयोगियों ने पीड़ित की बहन को जबरन गाड़ी में बैठा लिया और फरार हो गए। उसके बाद से अपहृता का कुछ पता नहीं चला। तहरीर में ग्रामीणों के हवाले से आरोप लगाया गया है कि मनबढ़ अभिनव पहले भी इस तरह की वारदात को अंजाम दे चुका है। धनघटा के थानेदार अनिल कुमार ने बताया कि हैंसर बाजार के सोनाडी गांव निवासी अभिनव साहनी समेत पांच अज्ञात के विरुद्ध अपहरण का केस दर्ज करके उनकी तलाश की जा रही है।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष सर्वेश त्रिपाठी का कहना है कि अभिनव साहनी वर्तमान में न तो भाजयुमो का पदाधिकारी है और न ही सदस्य। वह पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त था, 11 अगस्त को जिले में आयोजित तिरंगा यात्रा में भी शामिल नहीं हुआ। इसकी सूचना राष्ट्रीय अध्यक्ष को भेजी गई थी। उसे उसी दिन पदमुक्त करते हुए संगठन से निष्कासित कर दिया गया था। शनिवार को जारी विज्ञप्ति में उन्होंने कहा है कि पार्टी हमेशा पीड़ित पक्ष के साथ रहती है, पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाएगा।

जहर देकर की गई थी गंगेश की हत्या, विसरा रिपोर्ट से खुलासा– अब होगी गिरफ्तारी

संवाददाता–गोरखपुर। बड़े भाई योगेश दत्त पांडेय की हत्या के एकमात्र मुख्य गवाह गगन पांडेय की मौत नहीं हत्या की गई थी। विसरा रिपोर्ट आने के बाद मौत के राज से पर्दा उठ गया है। विसरा रिपोर्ट में गगन की मौत का कारण जहर आया है। हत्या वाले दिन सुबह अंजान नंबर से फोन आने के बाद गगन किसी से मिलने गया था। वापसी में गोलघर के गणेश चौराहे पर उसका मृत शव मिला था। अब, गगन की विसरा रिपोर्ट आ गई है। परिजनों ने मामले में विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर, उनके बेटे समेत पांच लोगों पर केस दर्ज कराया था। दरअसल, 9 अगस्त 2024 की दोपहर में गंगेश दत्त पांडेय उर्फ गगन का शव संदिग्ध परिस्थिति में गोलघर चौराहे से मिला था। परिवार के लोगों ने तभी आरोप लगाया था कि बातचीत के लिए गंगेश को बुलाकर जहर देकर मार दिया गया। युवक की भाभी ने कैंट थाने में गोरखपुर विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर व उनके बेटे समेत पांच लोगों के विरुद्ध तहरीर दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी थी। दक्षिणी बेतियाहाता, फलमंडी के पास रहने वाले गंगेश दत्त पांडेय उर्फ गगन (35 वर्ष) शनिवार के दिन दोपहर करीब 12 बजे अपने दो पहिया वाहन से जाते समय गणेश चौक के पास लड़खड़ा कर गिर गए थे। पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसकी जानकारी पुलिस ने परिवार के लोगों को दी गई। सूचना पर पहुंचे परिवार के लोगों ने बताया कि पूर्व में बड़े भाई की हत्या में गंगेश मुख्य गवाह है। हत्या का केस इस समय न्यायालय में विचाराधीन है। आरोप लगाया कि इसी रंजिश में उसकी जहर देकर हत्या की गई है। योगेश की पत्नी पुष्पा का आरोप है कि समझौता करने के लिए हत्यारोपी उनके परिवार पर दबाव बना रहे थे। सेवानिवृत्त प्रोफेसर के एक शिष्य ने बातचीत करने के बहाने शनिवार की सुबह उनके देवर गंगेश को बुलाया था। पुष्पा देवी ने कैंट थाना पुलिस को इस संबंध में तहरीर देकर आरोप लगाया कि गंगेश को जहरीला पदार्थ दिया गया। जिसकी वजह से रास्ते में मौत हो गई। फल मंडी के पास रहने वाले जटाशंकर पांडेय के बड़े पुत्र योगेश दत्त पांडेय की हत्या 2017 में हुई थी। इस मामले में परिजनों ने सेवानिवृत्त प्रोफेसर, उनके स्कूल का संचालन देख रहे उनके बेटे समेत चार लोगों पर केस दर्ज कराया था। योगेश के छोटे भाई गंगेश दत्त पांडेय इस केस में मुख्य गवाह थे। गंगेश के शव को सड़क पर रखकर परिजनों ने जाम लगाया था। इस दौरान उनकी मांग थी कि आरोपियों पर केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए। लेकिन, पुलिस की तरफ से ठोस कार्रवाई के लिए विसरा रिपोर्ट और पीएम रिपोर्ट आने की बात कही गई थी। अब विसरा रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जा सकती है।

दैनिक
भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com